महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

ये ना पूछँना ज़िन्दगी ख़ुशी कब देती है, क्योंकि शिकायते तो उन्हें भी है जिन्हें ज़िन्दगी सब देती है...

वर्ष : 17 अंक : 26 | उज्जैन, सोमवार 06 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

हाई-टेंशन पावर लाइन में खराबी से घरों में दौड़ी बिजली, एक महिला की मौत; 9 घायल

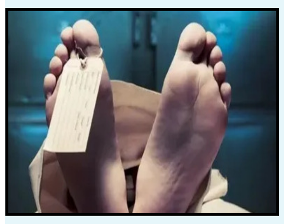

कोटा/ जीएनएस। राजस्थान के कोटा में रविवार को हाई-टेंशन पावर लाइन में खराबी के कारण कई घरों में बिजली दौड़ गई, जिससे 30 साल की एक महिला की मौत हो गई। वहीं चार महिलाओं और तीन बच्चों सहित कुल 9 लोग झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब 12ः30 बजे अनंतपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत क्रशर रोड पर बरदा बस्ती में हुई, जब घरों के अंदर बिजली के उपकरण अचानक चालू हो गए, जिससे लोगों को बाहर भागना पड़ा। सर्कल इंस्पेक्टर रमेश काविया ने बताया कि घरों के ऊपर से गुजर रही जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की हाई-टेंशन पावर लाइन का एक इंसुलेटर तेज धमाके के साथ अपनी जगह से हट गया, जिससे नीचे के घरों में बिजली दौड़ गई। अधिकारी ने बताया कि अशफाक की पत्नी सलमा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार महिलाओं और तीन बच्चों समेत नौ लोग झुलस गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और JVVNL के अधिकारी मौके पर पहुंचे, इलाके की बिजली आपूर्ति बंद की और पीड़ितों को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अधिकारी ने बताया कि सलमा को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि अस्पताल में भर्ती घायलों की हालत स्थिर है पुलिस ने घटना का कारण पता लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मृतक का शव परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट के आस-पास भूमाफिया कर रहे अवैध प्लॉटिंग

अलीगढ़/ जीएनएस। जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं ने खैर व टप्पल क्षेत्र की जमीनों के दाम आसमान पर पहुंचा दिए हैं। भविष्य में लॉजिस्टिक पार्क, अर्बन सेंटर व औद्योगिक परियोजनाओं की संभावनाओं को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर समेत अन्य राज्यों के निवेशकों की नजर इस क्षेत्र पर टिकी है। इसी बढ़ती मांग का फायदा उठाकर भू-माफिया बड़े स्तर पर सरकारी व यीडा की अधिसूचित जमीनों पर अवैध कालोनियां विकसित कर रहे हैं। अब इन पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू हो गई है। यीडा ने जिला प्रशासन से मजिस्ट्रेट व पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। प्रस्तावित अभियान के तहत 10 जुलाई के आसपास 35 से अधिक अवैध कालोनियों पर बुलडोजर चलाया जाएगा। खैर व टप्पल क्षेत्र के करीब 92 गांव यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में शामिल हैं। जेवर एयरपोर्ट शुरू होने के बाद इस पूरे क्षेत्र की व्यावसायिक अहमियत तेजी से बढ़ी है। आने वाले वर्षों में यहां मल्टी-माडल लॉजिस्टिक पार्क, अर्बन सेंटर व अन्य औद्योगिक परियोजनाएं विकसित होनी हैं। इसी वजह से पिछले तीन-चार वर्षों में जमीन की मांग कई गुना बढ़ गई है। कई स्थानों पर कृषि भूमि सर्किल रेट से कई गुना अधिक कीमत पर बिक रही है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, बढ़ती मांग के बीच भू-माफिया सक्रिय हो गए हैं। आरोप है कि अधिसूचित व सरकारी भूमि पर बिना स्वीकृत ले-आउट और बिना नक्शा पास कराए अवैध कालोनियां बसाई जा रही हैं।

बाहरी निवेशकों को आकर्षक विज्ञापन, फर्जी नक्शे व भविष्य में बड़े मुनाफे का सपना दिखाकर कृषि भूमि के छोटे-छोटे प्लाट बेचे जा रहे हैं। कई लोग बिना जांच-पड़ताल के प्लाट खरीद रहे हैं, जबकि बाद में उन्हें पता चलता है कि जमीन या तो अधिसूचित क्षेत्र में है या विवादित।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मजबूत हो रहा देश का डिफेंस सेक्टर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को शिवपुरी से मिलेगी नई शक्ति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश तेज़ी से निवेश, उद्योग और रोजगार का विश्वसनीय केंद्र बन रहा है। मध्यप्रदेश आज सिर्फ़ एक विशाल औद्योगिक परियोजना का साक्षी नहीं, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के नए युग का उद्घोष कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य देश पर निर्भर नहीं है, बल्कि स्वदेश में निर्मित आधुनिक रक्षा उपकरणों के बल पर दुनिया के सामने अपनी सामर्थ्य का परिचय दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का डिफेंस सिस्टम बेहद मजबूत हो गया है। हमारी आंतरिक और बाहरी सुरक्षा और मजबूत हो गई है। प्रधानमंत्री की विजनरी लीडरशीप में रक्षा उत्पादों का आयात करने वाला हमारा देश अब बीते कुछ ही सालों में रक्षा उत्पादों का निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में अब निजी क्षेत्र की भूमिका भी लगातार मजबूत हो रही है। भारत अब रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर हो गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार ने ग्वालियर-चंबल को संबल दिया है। आज ग्वालियर-चंबल रीजन रक्षा क्षेत्र, एविएशन, लॉजिस्टिक और आधुनिक उद्योगों में निवेश का हब बनकर उभर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को शिवपुरी शहर के पोलोग्राउंड में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ शिवपुरी जिले के पाली में लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ग्रुप के अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का पूजा-अर्चना कर विधिवत् शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से शिवपुरी जिले के लिए करीब 211 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 38 विकास कार्यों का ई-लोकार्पण एवं ई-भूमिपूजन भी किया। इसमें 166.72 करोड़ रुपये की लागत के 28 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 44.57 करोड़ रुपये लागत के 10 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 106 करोड़ रुपए की लागत से शिवपुरी जिले के करेरा, खनियांधाना और गणेश खेड़ा में नवनिर्मित सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यिमक भवनों का लोकार्पण कर स्कूल चलें अभियान को नई गति दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अनाउंसमेंट की नही डेवलपमेंट की सरकार है। पिछले 6 महीने में हमने मध्यप्रदेश में सेवा, संकल्प और सुशासन का नया अध्याय लिखा है। हमारी इन्वेस्मेंट फ्रेंडली नीतियों और सरल प्रक्रियाओं से मध्यप्रदेश देश में निवेश का नया और भरोसेमंद केन्द्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि अडानी ग्रुप द्वारा स्थापित किया जा रहा यह अत्याधुनिक रक्षा उत्पादन केंद्र देश की सामरिक आवश्यकताओं की आपूर्ति करेगा। साथ ही रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक, नवाचार और विनिर्माण क्षमता को भी नई गति देगा। इस डिफेंस प्रोडक्ट प्लांट में बनने वाले गोला बारूद और स्वदेशी मिसाइलें देश की सुरक्षा को और मजबूती देंगी, वहीं क्षेत्रीय युवाओं एवं जरूरतमंदों के लिए यहां करीब 4 से 5 हजार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। स्थानीय लघु रक्षा उत्पादन इकाइयों को नई पहचान मिलेगी और एक सुदृढ़ सप्लाई चेन विकसित होगी, जिससे पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अत्याधुनिक सुविधाओं में लैस यह प्लांट दक्षिण एशिया में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा मिसाइल इकोसिस्टम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट होगा, जो देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को एक मजबूत आधार भी देगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेड-इन-इंडिया रक्षा प्लेटफॉर्मों में विश्वास बढ़ा- राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद ÷मेड-इन-इंडिया÷ रक्षा प्लेटफार्मों में विश्वास को बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि आज, हमारा रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है, जबकि लगभग आठ-नौ साल पहले यह लगभग 46,000 करोड़ रुपये था।

उन्होंने बताया कि रक्षा निर्यात भी 38,000 करोड़ रुपये के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि 2013-14 में यह केवल 686 करोड़ रुपये था। यानी यह 57 गुना बढ़ चुका है।

यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की निर्णायक सैन्य कार्रवाई थी, जो मई 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। भारत में निर्मित कई रक्षा प्लेटफार्मों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पिछले 12 वर्षों में भारत की यात्रा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की प्रगति और एआइ के युग में मानव संवेदनशीलता के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआइ मानव संवेदनशीलता का स्थान नहीं ले सकता। राजनाथ सिंह ने फेक न्यूज और गलत सूचनाओं के दौर में पत्रकारिता में विश्वसनीयता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा- आज की चुनौती जानकारी की कमी नहीं, बल्कि उसकी सटीकता और विश्वसनीयता है।

दिल्ली में शादी के दो महीने बाद ही महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों ने पति पर लगाया आरोप

नई दिल्ली/ जीएनएस। 28 वर्षीय नवविवाहित महिला आकृति की शादी के महज दो महीने बाद दिल्ली के लोधी कॉलोनी स्थित एनडीएमसी आवासीय परिसर के तीसरे तल से गिरकर मौत हो गई। शनिवार को पालिका कुंज के बी-ब्लॉक से गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली आकृति को एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिवार ने पुलिस को बताया कि आकृति की शादी 24 अप्रैल को हुई थी। परिवार का आरोप है कि उसके पति और ससुराल वाले लोग दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे और इस मामले में उन्होंने हत्या का आरोप लगाया है। परिवार ने आत्महत्या की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि आकृति जिम्मेदार और मानसिक रूप से मजबूत महिला थी। पुलिस ने बताया कि शादी को सात साल पूरे नहीं हुए हैं, इसलिए एसडीएम को सूचित कर अनिवार्य इनक्वेस्ट की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आकृति पुष्प विहार की रहने वाली थीं और छतरपुर के एक निजी कंपनी में सेल्स एक्जीक्यूटिव के रूप में काम करती थीं। लव मैरिज के रूप में हुई यह शादी महज ढाई महीने पुरानी थी।

परिवार ने दावा किया कि शादी के बाद आकृति को पति द्वारा शारीरिक उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा। पुलिस ने कहा कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और परिवार के सदस्यों और गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

भारत-पेरू एफटीए में क्यों हो रही देरी? वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत के जल्द पूरी होने की संभावना नहीं है। इसका कारण यह है कि बाजार तक पहुंच को लेकर चिंताएं हैं।

17वी टाय बिज इंटरनेशनल बी2बी प्रदर्शनी के दौरान बातचीत में गोयल ने कहा कि कई ऐसे उत्पाद हैं जिनके लिए हम उन्हें बाजार तक पहुंच नहीं दे सकते। प्रस्तावित भारत-पेरू एफटीए के लिए वार्ता 2017 में शुरू हुई थी।

वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर था, जो 2024-25 के 5.98 अरब डॉलर से 67.5 प्रतिशत ज्यादा है।

पिछले वित्त वर्ष में भारत का पेरू के साथ व्यापार घाटा 7.47 अरब डॉलर था। भारत पेरू को मुख्य रूप से मोटर वाहन या कार, सूती धागा और दवाओं का निर्यात करता है, जबकि सोना, तांबा अयस्क का आयात करता है।

6 जुलाई से असम विधानसभा में गूंजेगी हिंदी, बजट सत्र के पहले दिन से आधिकारिक भाषा के रूप में मिली मंजूरी

गुवाहाटी/ जीएनएस। असम विधानसभा के इतिहास में पहली बार राष्ट्रभाषा हिंदी भाषा को विधानसभा के कामकाज में शामिल किया गया है। यह पहल असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास के नेतृत्व में की गई है। असमिया, अंग्रेजी और बोडो भाषाओं के साथ हिंदी भाषा 6 जुलाई से 16वीं असम विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन से आधिकारिक रूप से विधायी कामकाज में शामिल की जाएगी।

दास ने बताया कि हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय असम विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति की बैठक में लिया गया, जो शनिवार को उनके अध्यक्षता में हुई थी।

असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमारदास ने रविवार को कहा, बैठक में संसदीय मामलों के मंत्री पिजुश हजारिका, मंत्री केशब महंता, विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी, विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ, सबहराम बसुमतारी, चक्रधर गोगोई और जय प्रकाश दास उपस्थित थे। बैठक में असम विधानसभा में हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय लिया। पहले यहां केवल तीन भाषाएं (असमिया, अंग्रेजी और बोडो) थीं और पहली बार हिंदी भाषा को शामिल किया गया है। हिंदी राष्ट्रभाषा है और इसे मान्यता देने के लिए हमने हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय लिया।

6 जुलाई से असम विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा, जो 21 कार्य दिवसों तक चलेगा और 31 जुलाई तक जारी रहेगा। राज्य का बजट 10 जुलाई को प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में सत्र में 10 नए विधेयक प्रस्तुत किए गए हैं।

असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमारदास ने कहा कि पहले एक चैनल था जिसका नाम एएलए (असम विधानसभा) था और इसे सोमवार से असम विधान सभा टीवी के रूप में पुनः नामित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में 2027 की जीत 2029 में आसान करेगी एनडीए की राह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को भरोसा

लखनऊ/ जीएनएस। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने लखनऊ के दो दिन के प्रवास पर रविवार को अंतिम कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर अवध के शक्ति केंद्रों से संवाद किया। अवध क्षेत्र में शक्ति केंद्र प्रमुखों की संख्या साढ़े छह हजार है।

नितिन नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भूमि ऋषि-मुनियों और संतों की भूमि है। इस भूमि ने ऐसे-ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया, जिसने देश ही नहीं, दुनिया को संदेश देने का काम किया है। मैं इस पवित्र भूमि को, यहां की मिट्टी को नमन करता हूं, जिसने भारत की आत्मा और संस्कृति को नई धार दी है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं यूपी के चुनाव की तैयारी और शंखनाद के लिए आया था। उन्होंने कहा कि हमें अपने शक्ति केंद्रों पर भरोसा है और मैं तो इन्हीं के दम पर कह सकता हूं कि उत्तर प्रदेश में 2027 में भी भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही हैट ट्रिक नहीं बनाएगी, बल्कि 2029 के लिए केंद्र सरकार का रास्ता साफ होगा और एनडीए की सरकार बनेगी। नितिन नवीन ने कहा कि आज मैं यहां चारों तरफ जो जोश और उत्साह देख रहा हूं, ये इस बात का परिचायक है कि 2027 में भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता यहां कमल खिलाने को तैयार बैठा है। शक्ति केंद्रों के हमारे संयोजकों की ताकत ये साफ-साफ बता रही है। जब हमारे कार्यकर्ताओं का उत्साह और ऊर्जा सामने आ जाती है, तो विपक्ष चाहे कितनी भी ताकत लगा ले, उसे धूल चटाने का काम भाजपा के कार्यकर्ता करेंगे।

यूपी की कानून-व्यवस्था को भी काफी सराहा- उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार की कानून-व्यवस्था को भी काफी सराहा। उन्होंने कहा कि पहले तो उत्तर प्रदेश के हर जिले का अपना अलग दादा, अलग गुंडा और अलग माफिया होता था, लेकिन अब सब गायब हो गये हैं। भाजपा सरकार ने माफिया और गुंडाराज को हर जिले ही नहीं हर गांव से समाप्त कर दिया है। आज मैं 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश की चर्चा भी जरूर करना चाहूंगा। जिस उत्तर प्रदेश ने केवल भ्रष्टाचार देखा हो, तुष्टिकरण और परिवारवाद की राजनीति देखी हो, आज भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने उस भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और माफियाराज को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। आज यहां की विकास की नई तस्वीर को पूरी दुनिया देख रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में लाने का काम किया है। आज यहां की महिलाएं निडर होकर कभी भी घर से निकल सकती हैं।

पीएम मोदी व सीएम योगी गरीबों को लेकर गंभीर- भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो गरीबों के लिए काम करते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में आज का भारत देश के हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है, विकास के नए आयाम गढ़ रहा है।

चंद्रिमा ने क्यों छोड़ा ममता का साथ, दीदी के साथ अब कौन-कौन? 15 साल की सबसे भरोसेमंद टीम बिखरी

कोलकाता/ जीएनएस। चंद्रिमा भट्टाचार्य के तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष समेत सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा देने और विरोधी खेमे की ओर बढ़ने से पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस पुराने मंत्रिमंडल का अध्याय लगभग समाप्त हो गया है, जिसने पिछले डेढ़ दशक तक सरकार और पार्टी संगठन, दोनों की कमान संभाली थी।

कभी ममता की सबसे भरोसेमंद टीम का हिस्सा रहे मंत्री या तो विरोधी खेमे में जा चुके हैं, पार्टी से दूरी बना चुके हैं अथवा राजनीतिक रूप से हाशिये पर हैं। चंद्रिमा का जाना ममता के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। ममता के साथ अब केवल पूर्व मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय रह गए हैं। फिरहाद हकीम, अरूप बिश्वास अरूप राय व जावेद खान समेत अधिकांश पहले ही ममता का साथ छोड़ चुके हैं। ब्रात्य बसु और शशि पांजा फिलहाल चुप हैं। सूत्रों का कहना है कि ममता-चंद्रिमा के मजबूत रिश्ते में दरार गत 22 जून को पड़ी थी, जब न्यूटाउन के एक होटल में ऋतब्रत गुट की बैठक में चंद्रिमा के पुत्र सौरव बोस शामिल हुए थे। उस समय चंद्रिमा ने कहा था कि यह उनके बेटे का व्यक्तिगत निर्णय है।

चंद्रिमा 2009 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल में शामिल हुई थीं। उन्हें पहले महिला तृणमूल की जिम्मेदारी सौंपी गई। 2012 में वह विधि राज्य मंत्री बनीं और बाद में स्वास्थ्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाला। 2016 में उत्तर दमदम सीट से हारने के बाद ममता ने 2017 के उपचुनाव में उन्हें कांथी दक्षिण से लड़ाकर विधानसभा पहुंचाया। इसके बाद उन्हें स्वास्थ्य राज्य मंत्री के साथ-साथ ई-गवर्नेंस विभाग का स्वतंत्र प्रभार भी सौंपा गया।

तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त, पूजा अर्चना कर लिया आशीर्वाद

श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने दिया अध्यात्म का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार, राज्य के दो दिवसीय प्रवास के दौरान शनिवार की शाम को मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित तीर्थनगरी ओंकारेश्वर पहुंचे। ओंकारेश्वर आगमन पर उन्होंने श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ भगवान शिव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रवास के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने परिवारजनों के साथ ओंकारेश्वर मंदिर में आयोजित श्रृंगार आरती एवं शयन श्रृंगार में सहभागिता की।

ओंकारेश्वर प्रवास के दौरान उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से सौहार्दपूर्ण चर्चा भी की। मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने कहा कि आज का दिन उनके जीवन का अत्यंत विशेष, भावनात्मक एवं अविस्मरणीय दिवस है। उन्होंने कहा कि अपनी धर्मपत्नी के साथ पवित्र श्री ओंकारेश्वर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना का सौभाग्य प्राप्त होना उनके लिए ईश्वर की विशेष कृपा है।

उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वर्ष 2003 में उन्होंने संकल्प लिया था कि जीवन में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करेंगे। लगभग 23 वर्षों की इस लंबी आध्यात्मिक यात्रा पर उन्होंने भगवान महादेव के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सब उनकी असीम कृपा से संभव हो होगा।

अध्यात्म को महत्व दे, देश उन्नति में करे सहयोग - मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने समस्त देशवासियों को संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अध्यात्म को महत्व एवं विशेष स्थान देना चाहिए। अध्यात्म हमें आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन में संतुलन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक विरासत हमारी अमूल्य धरोहर है, जिससे जुड़कर हम भारतीयता का वास्तविक अनुभव कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने देश की प्रगति और समृद्धि के लिए सभी नागरिकों से सकारात्मक सहभागिता निभाने तथा राष्ट्र निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता, एसपी श्री आगम जैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

3 करोड़ के घोड़े का 45% पैसा दे चुकी थी, ऑनलाइन रैकी के बाद इंदौर में इंटरनेशनल घुड़सवार को बनाया शिकार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की इंटरनेशनल घुड़सवार सुदीप्ति हजेला ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों के निशाने पर आ गईं। जालसाजों ने कई दिनों तक उनकी ऑनलाइन रैकी (निगरानी) की और फिर उन्हें अपना शिकार बनाया। ठगों ने ई-मेल स्पूफिंग तकनीक का इस्तेमाल कर सुदीप्ति के साथ 1.62 करोड़ रुपये की बड़ी धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

मामले की जानकारी मिलते ही साइबर सेल ने मुस्तैदी दिखाते हुए सुदीप्ति के बैंक खाते से अमेरिका (यूएस) की जेपी मॉर्गन बैंक की शाखा में ट्रांसफर किए गए धोखाधड़ी के रुपयों को फ्रीज करवा दिया है। हालांकि, अभी तक स्पूफ ई-मेल भेजने वाले मुख्य आरोपियों की कोई ठोस जानकारी पुलिस के हाथ नहीं लगी है। राज्य साइबर सेल के एसपी सव्यसाची सराफ ने बताया कि ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले शातिर बदमाश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे लोगों की ऑनलाइन रैकी करते हैं जो बड़े सौदे, भारी-भरकम पेमेंट या महंगी चीजें ऑनलाइन खरीदते हैं। ये अपराधी पहले ऐसे लोगों का पूरा डेटा जुटाते हैं, फिर लगातार उनकी ई-मॉनिटरिंग यानी ऑनलाइन रैकी करते हैं। इसके बाद, हूबहू उसी कंपनी की तर्ज पर एक स्पूफ ई-मेल तैयार किया जाता है और पीड़ित को नए खाते में पैसा ट्रांसफर करने का झांसा देकर ठगी कर ली जाती है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस केस के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

साइबर ठगी पर शिकंजा कसने इंदौर में बैंक और पुलिस आए साथ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाने और पीड़ितों को जल्द राहत दिलाने के लिए इंदौर पुलिस ने शुक्रवार को विभिन्न सरकारी, ग्रामीण और निजी बैंकों के नोडल अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की।

बैठक में यह तय किया गया कि साइबर ठगी के मामलों में बैंक और पुलिस के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान पहले से अधिक तेज और प्रभावी बनाया जाएगा, ताकि ठगी की रकम जल्द रोकी जा सके और पीड़ितों को वापस दिलाई जा सके।

रीगल चौराहा स्थित सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपायुक्त (अपराध) राजेश त्रिपाठी ने की। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मीना चौहान, सहायक पुलिस आयुक्त नीलम कनोज, अपराध शाखा की साइबर टीम तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक में अधिकारियों ने कहा कि साइबर ठगी के मामलों में शुरुआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि समय रहते बैंक और पुलिस मिलकर कार्रवाई करें तो ठगी की रकम अपराधियों तक पहुंचने से पहले रोकी जा सकती है। इसी उद्देश्य से बैंकों को निर्देश दिए गए कि जांच के दौरान मांगी गई जानकारी निर्धारित समय में उपलब्ध कराई जाए और शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की देरी न हो। बैठक में राष्ट्रीय साइबर अपराध शिकायत पोर्टल पर शिकायतों के त्वरित निराकरण, न्यायालय के आदेशों का शीघ्र पालन कर रोकी गई राशि पीड़ितों को लौटाने तथा धन वापसी और शिकायत निवारण से जुड़े तंत्र का अधिक प्रभावी उपयोग करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैंकों से कहा गया कि वे अपने ग्राहकों को साइबर ठगी से बचाव के प्रति लगातार जागरूक करें। साथ ही संदिग्ध और फर्जी खातों की पहचान, सत्यापन तथा निगरानी की व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए, ताकि अपराधियों के लिए बैंकिंग व्यवस्था का दुरुपयोग करना मुश्किल हो सके।

23 वर्षों में पूर्ण हुई 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा, श्री ओंकारेश्वर में पूर्ण हुआ संकल्प

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने ममलेश्वर मंदिर में किए दर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने रविवार सुबह तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग ममलेश्वर के दर्शन कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने नैवेद्य भोग एवं मंगल आरती में सहभागिता कर भगवान ममलेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ओंकारेश्वर शनिवार शाम को पहुंचे थे। इसके पश्चात उन्होंने यहां भगवान ओंकारेश्वर की शयन आरती कर पूजा अर्चना भी की थी।

रविवार सुबह ज्योतिर्लिंग ममलेश्वर के दर्शन उपरांत मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैंने सहपरिवार 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर लिये। आज का दिन उनके जीवन का अत्यंत विशेष, भावनात्मक एवं अविस्मरणीय दिवस है। उन्होंने कहा कि अपनी धर्मपत्नी के साथ पवित्र श्री ज्योतिर्लिंग में दर्शन एवं पूजा-अर्चना का सौभाग्य प्राप्त होना उनके लिए ईश्वर की विशेष कृपा है। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वर्ष 2003 में उन्होंने संकल्प लिया था कि जीवन में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करेंगे। इस संकल्प की पूर्ति वर्ष 2026 में श्री ओंकारेश्वर और ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के साथ संपन्न हुई। लगभग 23 वर्षों की इस लंबी आध्यात्मिक यात्रा के पूर्ण होने पर उन्होंने भगवान महादेव के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सब उनकी असीम कृपा से संभव हो सका

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने एक सशक्त एवं पारदर्शी लोकतंत्र के लिए देश के मतदाताओ के स्वास्थ्य एवं अध्यात्म तथा देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की।

इस दौरान खंडवा कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता, एसपी श्री आगम जैन सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

देवास में मतांतरण के मामले में निचली कोर्ट के तय आरोप बदलने से इंदौर हाईकोर्ट ने किया इनकार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हाईकोर्ट ने मतांतरण से जुड़े एक मामले में कड़ा रुख अपनाया है। जस्टिस गजेंद्रसिंह की कोर्ट ने देवास के सोनकच्छ में आने वाले ग्राम चौबारा जागीर में मतांतरण को लेकर निचली अदालत में आरोप तय किए जाने के आदेश को बरकरार रखा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोप तय करने के चरण में केवल यह देखा जाता है कि क्या अभियुक्तों के विरुद्ध प्रथम दृष्टया पर्याप्त सामग्री उपलब्ध है, न कि यह कि विचारण के अंत में दोष सिद्धि होगी या नहीं। सोनकच्छ थाने में मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 के तहत केस दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि एक बैठक के दौरान कुछ महिला, पुरुष और नाबालिगों ने ग्रामीणों को ईसाई धर्म अपनाने पर बेहतर इलाज की सुविधा, बच्चों को अच्छी शिक्षा और 50 हजार नकद देने का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करने के लिए कह रहे थे। जिसकी शिकायत 20 जून 2025 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि बैठक में मंजी, किरण, जगराम, राय सिंह और मिथुन सहित अन्य लोग मौजूद थे, देवी-देवताओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सपत्नीक किया महेश्वर का भ्रमण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने रविवार को सपत्नी महेश्वर का भ्रमण किया। महेश्वर पहुंचने पर कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने भी उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

भ्रमण के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने महेश्वर के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने मां नर्मदा के दर्शन कर मध्य प्रवाह में स्थित बाणेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने देवी अहिल्याबाई किला, अहिल्याबाई की गादी संग्रहालय तथा नर्मदा तट का भ्रमण किया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने महेश्वर स्थित रेवा सोसाइटी का भी भ्रमण किया, जहां उन्होंने महेश्वरी साड़ियों के निर्माण की पारंपरिक प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने बुनकरों की हस्तकला एवं उत्कृष्ट कारीगरी की सराहना की।

भ्रमण के उपरांत उन्होंने कहा कि महेश्वर में मां नर्मदा और भगवान बाणेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा लोकमाता को श्रद्धासुमन अर्पित करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने महेश्वर की ऐतिहासिक धरोहरों, अहिल्या किले की उत्कृष्ट नक्काशी तथा महेश्वरी साड़ियों के निर्माण में बुनकरों के कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और हस्तशिल्प की यह परंपरा देश की अमूल्य धरोहर है तथा इन कारीगरों पर पूरे देश को गर्व है। इस दौरान संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री आरपीएस जादौन, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती सुरभि तिवारी सहित खरगोन की उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती हेमलता सोलंकी, एसडीएम पूर्वा मंडलोई उपस्थित रहें।

सितारों की छांव में सुकून तलाश रहे लोग, स्टार गेजिंग बना प्रोफेशनल्स का नया शौक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। काम का बढ़ता दबाव, भागदौड़ भरी जिंदगी और लगातार स्क्रीन पर बिताया जाने वाला समय लोगों को मानसिक रूप से थका रहा है। ऐसे में अब बड़ी संख्या में प्रोफेशनल्स खुद के लिए समय निकालकर ऐसे शौक अपना रहे हैं, जिनसे उन्हें मानसिक शांति, नया अनुभव और ज्ञान तीनों मिल सके। स्टार गेजिंग का शौक बढ़ रहा है, इसमें रात के खुले आसमान में तारों, ग्रहों और आकाशगंगा का अवलोकन करना। डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, फोटोग्राफी के शौकीन लोग स्टार गेजिंग ट्रिप में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए वे शहर की रोशनी से दूर ऐसे स्थानों का चयन करते हैं, जहां पाल्यूशन बेहद कम हो और आसमान पूरी तरह साफ दिखाई दे।

स्टार गेजिंग केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि विज्ञान और प्रकृति को करीब से समझने का माध्यम भी है। टेलीस्कोप की सहायता से ग्रहों, नक्षत्रों और तारों को देखा जाता है, जबकि खुली आंखों से मिल्की वे जैसी आकाशगंगा का अद्भुत दृश्य लोगों को रोमांचित कर देता है।

बाबा लकीशाह बंजारा जी की 448वीं जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न, संस्कृति और सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में जनजातीय अध्ययनशाला द्वारा बाबा लकीशाह बंजारा जी की 448वीं जयंती के अवसर पर ÷बंजारा समाज की संस्कृति एवं सशक्तिकरण÷ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए विद्वानों, संतों, समाज प्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 1500 समाजजन, मातृशक्ति, युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय जनजातीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है तथा इस दिशा में शोध और अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्य अतिथि महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री सहायक कक्ष प्रमुख रामेश्वर नाईक ने बाबा लकीशाह बंजारा के आदर्शों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि शिक्षा, संगठन और सामाजिक जागरूकता ही समाज की प्रगति का आधार हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य जातोथू हुसैन नायक ने जनजातीय एवं बंजारा समाज के अधिकारों की रक्षा, शिक्षा के विस्तार और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य वक्ता एवं स्वर्णिम बंजारा इतिहासकार डॉ. अशोक पवार ने अपने व्याख्यान में बंजारा समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उसके प्रामाणिक दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं चारुकेश्वर आश्रम, बड़वाह के श्री राधे चैतन्य जी महाराज ने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों और सामाजिक एकता को बाबा लकीशाह बंजारा के जीवन का मूल संदेश बताते हुए समाज को संस्कार और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रज्वल खरे, सहायक कुलसचिव अनुराग द्विवेदी तथा कार्यक्रम के संयोजक एवं जनजातीय अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो. सखाराम मुजाल्दे भी मंचासीन रहे। प्रो. मुजाल्दे ने कहा कि विश्वविद्यालय जनजातीय एवं घुमंतू समुदायों की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, शोध और अकादमिक अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

संगोष्ठी में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए बंजारा समाज के प्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों और विद्वानों ने समाज की संस्कृति, शिक्षा, सामाजिक चेतना, इतिहास और सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत बंजारा लोकनृत्य, लोकसंगीत और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में जगदीश परासर और राजा राठौर का विशेष योगदान रहा। उनके समर्पित प्रयासों से यह आयोजन सुव्यवस्थित, गरिमामय और ऐतिहासिक स्वरूप में सम्पन्न हुआ।

संगोष्ठी का मुख्य संदेश रहा कि बाबा लकीशाह बंजारा के आदर्श आज भी समाज को शिक्षा, संगठन, सांस्कृतिक संरक्षण, आत्मगौरव और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में प्रेरित करते हैं। सभी वक्ताओं ने नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हुए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

इंदौर के रेती मंडी ब्रिज पर राजेंद्र नगर की ओर ट्रैफिक शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड पर राजेंद्र नगर क्षेत्र में बन रहे रेती मंडी रेलवे ओवर ब्रिज को आखिरकार राऊ चौराहे से राजेंद्र नगर की तरफ आने वाले वाहनों के लिए खोल दिया गया है। ब्रिज का एक हिस्सा शुरू होने से प्रतिदिन सफर करने वाले सैकड़ों वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम की झंझट से बड़ी राहत मिली है।

हालांकि, दूसरी तरफ राऊ की ओर जाने वाले वाहनों को अब भी नीचे बनी सर्विस रोड से ही गुजरना पड़ रहा है। बारिश के इस मौसम में सर्विस रोड पर कीचड़ और गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

3 साल से चल रहा है काम, रेती मंडी तरफ का हिस्सा बाकी - इस ब्रिज का निर्माण पिछले 3 सालों से लगातार जारी है और इसकी कुल लागत 25 करोड़ रुपये है। वर्तमान स्थिति की बात करें तो रेलवे पटरी के ऊपर का मुख्य हिस्सा बनकर तैयार हो चुका है। फिलहाल रेती मंडी तरफ के हिस्से पर अभी काम चल रहा है, जहां एक स्पान का काम होना बाकी है। ब्रिज के जंक्शन पर जहां अतिरिक्त पियर (खंभे) बनाए गए हैं, वहां ऊपर की तरफ स्लैब की कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है। नीचे बने दो नए पियर भी बनकर तैयार हैं, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर इस हिस्से के ऊपर से अभी वाहनों को जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

सड़क की मरम्मत और नाली निर्माण के लिए रोका नीचे का ट्रैफिक - राऊ सर्कल से आने वाले वाहन नीचे जिस सड़क से गुजर रहे थे, उसकी हालत बहुत ज्यादा खराब हो चुकी थी।

इंदौर में मानसून का धमाका... अगले हफ्ते फिर शुरू होगा भारी बरसात का दौर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में अब तक सर्वाधिक वर्षा वाले जिलों में देवास के साथ इंदौर अव्वल है। पिछले सप्ताह में शहर में हुई झमाझम वर्षा ने न सिर्फ औसत कोटा पूरा किया, बल्कि इंदौर में अब तक के औसत से 90 फीसद ज्यादा वर्षा हो चुकी है।

इंदौर में अगले सप्ताह भी झमाझम वर्षा का दौर जारी रहेगा। रविवार को इंदौर में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। उसके बाद दो दिन मध्यम वर्षा होगी और फिर भारी वर्षा होने की संभावना है।

इन तीन मौसम प्रणालियों (सिस्टम) के कारण हो रही है झमाझम बारिश- मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में एक सियर जोन (दो अलग-अलग दिशाओं से आने वाली हवाओं का मिलन) मुंबई के पास बना हुआ है। इसके वजह से अरब सागर से आर्द्रता पश्चिमी मप्र की ओर आ रही है। इसके अलावा मानसून द्रोणिका उत्तर पश्चिम राजस्थान से मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़ होते हुए उत्तरी उड़ीसा तक जा रही है। इसके प्रभाव से इंदौर सहित संभाग के जिलों में झमाझम वर्षा का दौर दिखाई दे रहा है। शनिवार को एक निम्न दाब क्षेत्र उत्तरी उड़ीसा पर बना हुआ है।

इंदौर में पीएम ई-बस सेवा का शुभारंभ, आई-14 रूट पर 10 इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल शुरू

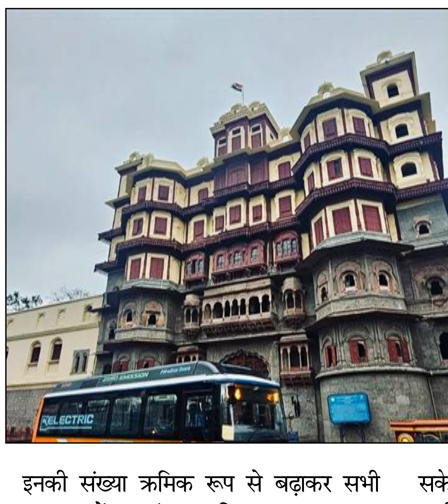

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत इंदौर शहर में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। योजना के तहत शनिवार से रूट क्रमांक आई-14 (राऊ रंगवासा- रणजीत हनुमान-राजवाड़ा-बंगाली स्क्वायर होते हुए कनाड़िया बायपास) पर 10 इलेक्ट्रिक बसों का तकनीकी एवं व्यावसायिक ट्रायल (टेक्निकल-कमर्शियल ट्रायल) प्रारंभ कर दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा इंदौर शहर को कुल 150 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें से पहले चरण में 10 बसों का संचालन ट्रायल के रूप में शुरू किया गया है। आगामी चरणों में इनकी संख्या क्रमिक रूप से बढ़ाकर सभी 150 बसों का संचालन किया जाएगा।

लगभग 9 मीटर लंबाई वाली ये सभी बसें पूर्णतः वातानुकूलित हैं तथा आधुनिक तकनीक एवं यात्री सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इनका संचालन ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने और प्रदूषण मुक्त सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक- यात्रियों की सुरक्षा एवं बेहतर निगरानी के लिए प्रत्येक बस में सीसीटीवी कैमरे एवं पैनिक बटन लगाए गए हैं। बसों में लगे कैमरों का लाइव फीड सीधे सेंट्रल कंट्रोल रूम में देखा जा सकेगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा सकेगी और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई संभव होगी।

आईटीएमएस से होगी रियल-टाइम मॉनिटरिंग- बसों के संचालन, ट्रैकिंग एवं समयबद्ध संचालन की निगरानी के लिए इंटेलिजेंट ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) का उपयोग किया जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (एआईसीटीएसएल) कार्यालय तथा नायता मुंडला डिपो स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) से की जाएगी।

डिजिटल टिकटिंग को मिलेगा बढ़ावा- कैशलेस एवं डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बसों में डिजिटल फेयर कलेक्शन सिस्टम लागू किया गया है। इससे यात्रियों को डिजिटल माध्यम से टिकट लेने की सुविधा मिलेगी और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनेगी।

नीमच में खाकी का बड़ा एक्शन, सड़कों पर उतरा पुलिस बल तो अपराधियों में मचा हड़कंप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अपराधियों और अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए नीमच पुलिस ने विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई की। 4-5 जुलाई की दरमियानी रात पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिलेभर में चलाए गए अभियान के दौरान 121 वारंट तामील, 130 किलो 800 ग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त तथा एनडीपीएस, आबकारी एवं अन्य अधिनियमों के तहत 17 प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया।

अभियान के दौरान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं पुलिस बल ने फरार आरोपियों की धरपकड़, आदतन अपराधियों की जांच, होटल-लॉज और ढाबों की औचक चेकिंग तथा महिला अपराधों में संलिप्त बदमाशों की निगरानी की।

पुलिस ने 40 स्थायी वारंट और 81 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 121 वारंट तामील किए। इनमें एनडीपीएस, शरीर संबंधी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों के आरोपी शामिल रहे।

वाहन चेकिंग के दौरान 12 स्थानों पर नाकाबंदी कर 180 से अधिक वाहनों की जांच की गई। यातायात नियमों के उल्लंघन पर 52 चालान बनाते हुए 23,600 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत थाना जावद पुलिस ने एक मारुति अर्टिगा कार से 60 किलो डोडाचूरा जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि सिंगोली पुलिस ने एक स्विफ्ट डिजायर कार से 70 किलो 800 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया।

इसके अलावा आबकारी अधिनियम के तहत 13 प्रकरणों में 68 लीटर अवैध शराब (करीब 8,700 रुपये मूल्य) जब्त की गई, जबकि सट्टा एक्ट के 2 मामलों में 730 रुपये नकद बरामद किए गए।

पुलिस ने 112 निगरानी बदमाशों, 4 जिला बदर अपराधियों की जांच की तथा 53 होटल, लॉज और ढाबों की सघन तलाशी ली। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 56 व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

बाढ़ से निपटने को तैयार नीमच होमगार्ड, मोरवन डैम पर जवानों ने सीखे रेस्क्यू के गुर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून के सक्रिय होने के साथ ही जिले में संभावित बाढ़ और जलभराव जैसी आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए होमगार्ड विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार नीमच जिले में बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जवानों को रेस्क्यू ऑपरेशन की बारीकियां सिखाई गईं। मोरवन डैम पर आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में होमगार्ड कमांडेंट युवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में करीब 40 होमगार्ड जवानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को तैराकी, बोट संचालन, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य, आपदा के समय त्वरित कार्रवाई तथा लोगों को सुरक्षित निकालने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। प्रशिक्षण के दौरान जवानों ने रेस्क्यू तकनीकों का सफल प्रदर्शन भी किया। डेमो के माध्यम से बताया गया कि बाढ़ जैसी आपात स्थिति में किस प्रकार कम समय में लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जा सकता है। कमांडेंट युवराज सिंह चौहान ने बताया कि मानसून के दौरान जिले में कई स्थानों पर नदी-नाले उफान पर आ जाते हैं। ऐसे समय में प्रशिक्षित जवानों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। यह प्रशिक्षण उन्हें किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम बनाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्लाटून कमांडर पुष्पा पंवार, होमगार्ड जवान बलवंत सिंह राठौर सहित अन्य अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि आपदा से पहले दिया गया यह प्रशिक्षण भविष्य में जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जिले में अब तक औसत 201.4 मि.मी. वर्षा दर्ज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चालू वर्षाकाल के दौरान अब तक औसत 201.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में औसत 314.8 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

अधीक्षक भू-अभिलेख, नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से 5 जुलाई 2026 की प्रातः 8 बजे तक जिले की चारों तहसीलों में वर्षा का विवरण इस प्रकार है- नीमच में 224.0 मि.मी., जावद में 202.0 मि.मी., सिंगोली में 226.7 मि.मी. तथा मनासा में 153.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

गत वर्ष इसी अवधि में नीमच में 293.6 मि.मी., जावद में 330.0 मि.मी., सिंगोली में 435.8 मि.मी. तथा मनासा में 200.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी।

इसी प्रकार, 5 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे तक बीते 24 घंटों में जिले में औसतन 0.5 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई। इस दौरान नीमच तहसील में 2.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई, जबकि जावद, मनासा एवं सिंगोली तहसीलों में वर्षा दर्ज नहीं की गई।

सुवासरा बस स्टैंड पर चोरों का तांडव : मंदिर के दानपात्र से 6 हजार उड़ाए, एक रात में 8-10 गुमटियों की चद्दर काटी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा नगर के व्यस्ततम बस स्टैंड क्षेत्र में बीती रात चोरों ने कानून व्यवस्था की खुलेआम धज्जियां उड़ा दीं। चोरों ने एक ही रात में 8 से 10 गुमटियों के पीछे से चद्दर काटकर तांडव मचाया। सबसे निंदनीय घटना बस स्टैंड स्थित बढ़ वाले बालाजी मंदिर में हुई, जहां आस्था को भी नहीं बख्शा गया। चोरों ने मंदिर के दानपात्र को तोड़कर श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई करीब 6 हजार रुपये की नगदी चुरा ली। मंदिर में चोरी की घटना से पूरे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है।

चोरों ने पर्वतसिंह की मोबाइल शॉप, लक्ष्मी गैस वेल्डिंग, होटल संचालक रामप्रसाद मीणा की गुमटी और नाकोड़ा मोबाइल शॉप के पीछे से भी चद्दर काटकर सेंध लगाने का प्रयास किया, लेकिन यहा उन्हें सफलता नहीं मिली। वहीं बालचंद पाटीदार वेल्डिंग वाले की गुमटी में चोर पीछे से घुसे और यहां से गिलाइंडर मशीन, केबल व अन्य कीमती सामान ले गए। इतना ही नहीं, चोरों ने शरारत करते हुए दुकान में रखे 80 लीटर ऑयल को पूरी दुकान में फैला दिया। इस घटना से व्यापारी को लगभग 25 से 30 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। बस स्टैंड स्थित एक टेलर की दुकान में पीछे से चद्दर काटकर दुकान में रखें करीब 4000 रुपये नगदी और 2 कपड़ों के बंडल भी चोरी कर ले गए होटल चामुंडा की गुमटी को भी चोरों ने निशाना बनाया। एक ही रात में इतनी जगह वारदात होने के बावजूद पुलिस गश्त पूरी तरह नदारद रही। व्यापारियों का आरोप है कि थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह बघेल की घोर लापरवाही और निष्क्रियता के कारण सुवासरा में चोरों के हौसले सातवें आसमान पर हैं। पुलिस रात में गश्त करने के बजाय सिर्फ फोटो सेशन और सेल्फी तक ही सीमित होकर रह गई है। कुछ महीने पहले भी इसी बस स्टैंड की 8-10 गुमटियों में इसी तरह पीछे से चद्दर काटकर चोरी की गई थी। उस समय पुलिस ने मंदिर से चोरी गई नगदी जप्त तो कर ली थी, लेकिन आज तक वह राशि मंदिर समिति को वापस नहीं लौटाई गई। इस पूरे मामले में क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सुवासरा उनका गृह नगर है, इसके बावजूद लगातार हो रही चोरी की वारदातों पर विधायक डंग ने आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया। नगर की जनता में विधायक के प्रति भी भारी आक्रोश देखा जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि जब अपने ही गृह नगर में व्यापारी सुरक्षित नहीं हैं तो पूरे क्षेत्र की आम जनता का क्या होगा। पुलिस की निष्क्रियता पर विधायक द्वारा कोई दबाव नहीं बनाए जाने से चोरों के हौसले और बुलंद हो गए हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से व्यापारियों में दहशत और रोष का माहौल है।

ऑनलाइन फ्रॉड से बचाने सड़क पर उतरी मनासा पुलिस, नागरिकों को दिए साइबर सुरक्षा के टिप्स

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा। बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को डिजिटल ठगी से बचाने के उद्देश्य से मनासा पुलिस ने शनिवार को मंदसौर नाका क्षेत्र में विशेष साइबर जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों को एकत्रित कर उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी के नए-नए तरीकों से सावधान रहने और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में करीब 60 से 70 नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधी फर्जी कॉल, ओटीपी, केवाईसी अपडेट, बैंक अधिकारी बनकर कॉल, संदिग्ध लिंक और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी या पासवर्ड साझा न करें। साथ ही किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें और सोशल मीडिया का उपयोग पूरी सतर्कता के साथ करें।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है, तो वह बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराए, जिससे समय रहते कार्रवाई कर नुकसान को रोका जा सके।

इस अवसर पर एसडीओपी साबेरा अंसारी, थाना प्रभारी निलेश अवस्थी, उपनिरीक्षक सपना राठौर, प्रधान आरक्षक मनोहर बैरागी, आरक्षक कुशल पाल एवं आरक्षक सुनील माली उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों तक भी पहुंचाने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक लोग ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रह सकें।

नीमच पुलिस का मेगा कॉम्बिंग ऑपरेशन, 121 वारंट तामील, 60 किलो डोडाचूरा जब्त, 2 तस्कर गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अपराधियों, मादक पदार्थ तस्करों और समाज विरोधी तत्वों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से नीमच पुलिस ने 4-5 जुलाई की दरमियानी रात जिलेभर में विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई करते हुए फरार आरोपियों की धरपकड़, होटल-लॉज और ढाबों की जांच, वाहन चेकिंग तथा निगरानी बदमाशों की सघन पड़ताल की गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने 40 स्थायी वारंट और 81 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 121 वारंट तामील किए। इनमें एनडीपीएस एक्ट, चोरी, मारपीट और अन्य गंभीर मामलों के लंबे समय से फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसे जिले की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

पुलिस ने जिले में 12 स्थानों पर संयुक्त वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 180 से अधिक वाहनों की जांच की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 52 वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए 23 हजार 600 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध भी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान 112 निगरानी बदमाशों और 4 जिला बदर अपराधियों की गतिविधियों की जांच की गई। महिला संबंधी अपराधों में संलिप्त चार आदतन अपराधियों पर भी विशेष नजर रखी गई। इसके अलावा 53 होटल, लॉज और ढाबों की सघन जांच कर संचालकों को संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए गए।

अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 13 आबकारी प्रकरण दर्ज कर 68 लीटर अवैध शराब जब्त की। वहीं सट्टा एक्ट के तहत दो मामलों में 730 रुपये नकद बरामद किए गए।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत थाना जावद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक मारुति अर्टिगा कार से 60 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया तथा दो तस्करों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 56 लोगों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। साथ ही धार्मिक स्थलों, बैंक, एटीएम और अन्य संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था का भी देर रात निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने कहा कि जिले में अपराध, मादक पदार्थ तस्करी और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ इस तरह के विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

जावरा से घरेलू सामान की आड़ में 88 किलो डोडाचूरा तस्करी का पर्दाफाश, हिमाचल के दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए घरेलू सामान की आड़ में हिमाचल प्रदेश ले जाया जा रहा 88 किलोग्राम पिसा हुआ अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में हिमाचल प्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से डोडाचूरा, मिनी ट्रक, दो एंड्रॉयड मोबाइल और लाखों रुपये का घरेलू सामान जब्त किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी जावरा क्षेत्र से डोडाचूरा लेकर निकले थे और उसे मंदसौर, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, मनासा, गांधीसागर और कोटा के रास्ते चंडीगढ़ होते हुए हिमाचल प्रदेश ले जाने की तैयारी में थे। पुलिस अब इस पूरे तस्करी नेटवर्क का खुलासा करने में जुट गई है।

थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र कुमार पंवार ने बताया कि रविवार प्रातः नारायणगढ़-पिपलियामंडी मार्ग स्थित बरखेड़ा वीरपुरिया फंटे पर नियमित वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध प्रतीत होने पर मिनी ट्रक क्रमांक एचपी 93 ए 8885 को रोककर उसकी तलाशी ली। ट्रक में घरेलू उपयोग का सामान भरा हुआ था, जिससे प्रथम दृष्ट्या किसी को संदेह नहीं हो सकता था, लेकिन पुलिस को वाहन की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। गहन तलाशी लेने पर घरेलू सामान के बीच छिपाकर रखे गए चार प्लास्टिक के कट्टों से कुल 88 किलोग्राम पिसा हुआ अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से दिनेश (40) पिता गुरपाल शर्मा निवासी ग्राम ओखु, तहसील नालागढ़, जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश) तथा अमृतलाल (36) पिता तीर्थराम शर्मा निवासी आदुवाल, तहसील नालागढ़, जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना नारायणगढ़ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

टीआई राजेन्द्र कुमार पंवार ने बताया कि जब्त किए गए 88 किलोग्राम पिसे हुए डोडाचूरा की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 76 हजार रुपये है। इसके अलावा लगभग 12 लाख रुपये कीमत का मिनी ट्रक, करीब 20 हजार रुपये कीमत के दो एंड्रॉयड मोबाइल तथा ट्रक में रखा लगभग 8 लाख रुपये मूल्य का घरेलू सामान भी जब्त किया गया है। पुलिस ने पूरे मशरूके को जब्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने जावरा क्षेत्र से डोडाचूरा भरा था। इसके बाद वे मंदसौर से पिपलिया होते हुए मनासा, गांधीसागर और कोटा के रास्ते आगे चंडीगढ़ होकर हिमाचल प्रदेश जाने वाले थे। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि डोडाचूरा उन्हें किस व्यक्ति या गिरोह ने उपलब्ध कराया था तथा इसे हिमाचल प्रदेश में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य सप्लायरों, खरीदारों और सहयोगियों की जानकारी जुटा रही है। टीआई पंवार ने बताया कि आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। यह जांच की जा रही है कि दोनों आरोपी पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल रहे हैं या नहीं तथा इनके खिलाफ अन्य राज्यों में कोई प्रकरण दर्ज है या नहीं। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में इस तस्करी गिरोह से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को एनडीपीएस एक्ट की विशेष अदालत में पेश करने की तैयारी की है। अदालत से पुलिस रिमांड प्राप्त कर आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की जाएगी, ताकि डोडाचूरा की खरीद-फरोख्त, परिवहन और इसके पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

पार्षद सुनील बंसल का गंभीर आरोप : नपाध्यक्ष की अदूरदर्शिता और कथित सलाहकारों की वजह से दो समाज में मनमुटाव की आशंका!

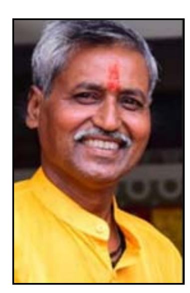

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाजसेवी पार्षद सुनील बंसल ने एक वक्तव्य में आरोप लगाते हुए कहा है कि नगर पालिका अध्यक्ष की अदूरदर्शिता एवं उनके कथित सलाहकारों की वजह से पुलिस कंट्रोल रूम के बाहर अग्रवाल समाज मंदसौर के कुलदेवता श्री महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा के लिए नगर पालिका परिषद मंदसौर में संकल्प क्रमांक 187 दिनांक 27/ 7/ 2007 को एक प्रस्ताव पारित हुआ कि महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा यहां पर लगेगी। उसके बाद अनेक सालों तक वहां पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। समाज जनों ने दिनांक 3.2.2025 को नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर को इस संबंध में स्मरण पत्र ज्ञापन के स्वरूप में दिया। उस समय नगर पालिका अध्यक्ष ने समस्त अग्रवाल समाज को आश्वस्त किया कि अतिशीघ्र यहां पर महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा एवं चौराहे का नामकरण महाराजा अग्रसेन चौराहे के नाम से हम प्रस्तावित करेंगे। यह बात भी कही गई कि आप सिर्फ चौराहा बनाएं, नामकरण करें, मूर्ति का खर्च समाज उठाएगा। श्री बंसल ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि देखने में आया है कि नपाध्यक्ष की अदूरदर्शिता और उनके शकुनी सलाहकार जो अधिकार पीआईसी को नहीं है, उसकी बैठक में एक प्रस्ताव लाकर हम सबके प्रथम पूज्य गुरुदेव जैन समाज के अग्रणी संत पूज्य आदरणीय गौतम मुनि जी महाराज के नाम से उसी चौराहे पर उनका नामांकन कर इनोवेशन कर दिया, जबकि प्रेसिडेंट ऑफ काउंसिल को कोई अधिकार है ही नहीं। दिनांक 7/ 8/2025 प्रकरण क्रमांक 259 को उन्होंने पारित किया। श्री बंसल ने आरोप लगाया कि मुझे ऐसा लगता है कि नगर पालिका अध्यक्ष और उनके शकुनी सलाहकार जैन समाज और अग्रवाल समाज को आमने-सामने कराना चाहते हैं। जो अधिकार पीआईसी को नहीं है। जिस प्रकरण की परिषद में पुष्टि कर रखी है, उसके खिलाफ और आमने-सामने करने का एक ऐसा षड्यंत्र है, जो सामाजिक समरसता पर कुठाराघात होगा। समाजसेवी पार्षद सुनील बंसल ने मांग की है कि हमें पूज्य गौतम मुनि जी के नाम के चौराहे से कोई आपत्ति नहीं है, पर इसके लिए नपाध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगे एवं जो महाराजा अग्रसेनजी का चौराहा है, उसके लिए कटिबंध होकर महाराजा अग्रसेन चौराहा नामकरण कर प्रतिमा स्थापना का मार्ग प्रशस्त करें।

सेना से सेवानिवृत होकर लौटे सैनिक कुँ. सुरेन्द्र सिंह चन्द्रावत, अनिल कुमावत एवं शिवनारायण गुर्जर का हुआ भव्य स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार, 5 जुलाई को सैनिक शिवनारायण गुर्जर 17 वर्ष देश सेवा पूर्ण कर सकुशल अपने ग्राम लौटे जहां मंदसौर भारत माता चौराहे पर अ.भा.पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर के पूर्व सैनिकों द्वारा साफा श्रीफल एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। समाजसेवी विनय दुबेला एवं नगर के अन्य संगठनो ने भी स्वागत सम्मान किया। स्वागत रैली भारत माता चौराहे से गांधी चौराहा होते हुवे उधमसिंह चौराहा से दलौदा पर भव्य स्वागत के साथ आपने गांव झिरकन के लिए रवाना हुवे। जहां पर ग्रामवासियों ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर सैनिक का स्वागत किया। साथ ही तहसील दलौदा के गांव भावगढ़ के सैनिक अनिल कुमावत ने भारतीय सेना की 17 वर्ष

देश सेवा करके सकुशल लौटे। जहां पर रेलवे स्टेशन दलौदा पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद् द्वारा श्रीफल भेंटकर व माला पहनाकर गांव के लिए रवाना किया जहां ग्रामवासियो ने भव्य स्वागत किया। वहीं मल्हारगढ़ तहसील के गांव जान्याखेडी के सैनिक कुँ. सुरेन्द्र सिंह चन्द्रावत के सैनिक ने भारतीय सेना की 17 वर्ष देश सेवा करके सकुशल लौटे। सर्वप्रथम पिपलिया रेलवे स्टेशन पर स्वागत किया गया, उसके बाद पिपलिया मंडी नगर परिषद ने भव्य स्वागत किया। गांधी चौराहा पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद तहसील इकाई मल्हारगढ़ द्वारा सेवानिवृत्ति सैनिक को साफा, श्रीफल एवं माला पहनाकर का भव्यता के साथ स्वागत सम्मान किया, तत्पश्चात सैनिक के पैतृक गांव के लिए रवाना हुवे , जगह-जगह पर गांववासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया। इस अवसर समाजसेवी विनय दुबेला, मार्गदर्शक श्रवण त्रिपाठी, सुरेश परमार, एसआर जांगिड़, एलएस चंद्रावत, जिलाध्यक्ष मुकेश गुर्जर, कोषाध्यक्ष दशरथ चौहान, बाबूलाल सिसोदिया, हरिप्रसाद, नरेंद्र पाटीदार, ऋषिराज गुर्जर, ईश्वर लाल पाटीदार, नरेंद्र खटवड़, राजेंद्र सिंह राठौर, राजेंद्र सिंह शक्तावत, संतोष राव, मंगल सिंह सिसौदिया, रूपचंद महावर, कमलेश देवड़ा, दिलीप सिंह सिसौदिया, भंवर सिंह सिसौदिया,गिरिराज सिंह सिसौदिया, जितेंद्र माली, रामनारायण गुर्जर, रामनारायण मालवी, भारत सिंह बोराणा, सज्जनसिंह सिसौदिया ,जुगल किशोर विश्वकर्मा, दिलीप पाटीदार, राकेंद्र सिंह सिसौदिया, शाकिर अहमद, अभिनय सिंह चौहान, नंदकिशोर जाट, लाल सिंह, भंवर सिंह मुंदड़ी, घनश्याम चौहान, शंकर धाकड़, ईश्वर लाल धनगर, बंसीलाल पाटीदार, मदन धनगर, रघुनाथ दागी सहित पूर्व सैनिक उपस्थिति रहे।

ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का कलेक्टर ने पहली चाल चलकर किया शुभारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला शतरंज संघ, नीमच द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को टाउन हॉल, नीमच में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में नीमच सहित मध्यप्रदेश एवं देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों द्वारा सहभागिता की जा रही है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शतरंज की पहली चाल चलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता की सबसे कम आयु की प्रतिभागी 4 वर्षीय सानवी गर्ग (नीमच) एवं सबसे वरिष्ठ प्रतिभागी 85 वर्षीय श्री आर.के. गुप्ता (झांसी) ने भी कलेक्टर श्री चंद्रा के साथ प्रतीकात्मक चाल चलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि एकाग्रता, धैर्य, अनुशासन, तार्किक सोच एवं निर्णय क्षमता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।

सम्पादकीय

मोब लीचिंग,भीड़ तंत्र का फैसला सामाजिक संरचना की भीषण विफलता

सामूहिक भीड़ का कोई मस्तिष्क नहीं होता। उसके द्वारा उन्माद में लिए गए सड़क पर त्वरित फैसले सामाजिक संरचना के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरते हैं और राजकीय संपत्ति के लिए कई बार भारी नुकसान दायक भी होते हैं। भीड तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उसे भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह सार्वभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है माब लीचिंग।

वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है । और समाज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केंद्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10त्न लोगों के पास देश की 58त्न संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70त्न भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है ।यही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं।

और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है।

भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है।

सिगमंड फ्रायड के अनुसार भीड़ में व्यक्ति अपने सारे मूल्य खोकर आदिम काल में पहुंच जाता है, और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है। कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की लेटलतीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी को भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया कई बार किसी विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है। लोकतंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा चौथा स्तंभ मीडिया भी जन जागरूकता के प्रचार प्रसार के बजाय घटनाओं को धर्म तथा वर्ग के आधार पर विशेष वर्ग के हितों को प्रचारित प्रसारित करता है, जो इस आदिम कॉल की व्यवस्था को पुष्पित पल्लवित करता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग सामाजिक विकास न्याय के स्थान पर अन्याय प्रकृति की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। मॉब लिंचिंग के कारण समाज में आम हिंसा की घटनाएं बढ़ने लगी है,इससे समाज की संस्कृति को दीर्घकालिक क्षति होगी। इस तरह भीड़ तंत्र के द्वारा की गई हिंसक घटनाओं तथा हत्या से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख की गिरावट भी होती है, एवं आर्थिक क्षेत्र में निवेश पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसी तरह हिंसक घटनाओं से पलायन तथा संसाधनों के विकास पर बाधा पड़ने से सामाजिक तथा आर्थिक क्षमता को बढ़ावा मिलता है।

भारत में स्वतंत्रता संग्राम भी सामूहिक भीड़ के माध्यम से ही जीता था,फ्रांस तथा रूस में भी भीड़ द्वारा सकारात्मक भूमिका निभाकर अनैतिक तथा अवैधानिक शासन तंत्र को खत्म किया था।

भीड़ तंत्र द्वारा ही करप्शन अगेंस्ट इंडिया चलाकर का भी कुछ सफलता प्राप्त की थी।पर इस भीड़ तंत्र के न्याय की नकारात्मक भूमिका आज की स्थिति में ज्यादा है। अतः हमें इसे प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। भीड़ तंत्र तथा मॉब लिंचिंग को एक घनघोर सामाजिक बुराई समझकर सामाजिक संगठनों नागरिकों एवं शासन तंत्र द्वारा एक अभियान चलाकर ऐसे लोगों को हतोत्साहित कर कठोर कानून बनाकर इसे नियंत्रित किया जाना चाहिए। तब जाकर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा प्रजातंत्र की आस्था जीवित रहेगी।

युवाओं के लिए ध्यान: सही दिशा और स्थिरता की ओर मार्गदर्शन

आज की प्रतिस्पर्धी और तेज़ रफ़्तार दुनिया में, युवा अक्सर तनाव, भ्रम और भावनात्मक असंतुलन का अनुभव करते हैं। पढ़ाई का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और डिजिटल मीडिया के लगातार संपर्क में रहने के कारण शांत और एकाग्र रहना मुश्किल हो सकता है। ऐसी स्थिति में, सहज योग ध्यान युवाओं को आंतरिक शांति और संतुलन प्राप्त करने का एक स्वाभाविक और सहज तरीका प्रदान करता है।

सहज योग के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक यह है कि यह सरल और सहज है, जो इसे युवाओं के लिए आदर्श बनाता है। अन्य तकनीकों के विपरीत, जिनमें कठोर एकाग्रता या विचारों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, सहज योग सिखाता है कि जब आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है तो विचार स्वाभाविक रूप से कम हो जाते हैं। यह युवाओं को *विचार-रहित जागरूकता* की स्थिति का अनुभव करने में मदद करता है, जहाँ मन शांत, सतर्क और शांतिपूर्ण होता है।

सहज योग के माध्यम से ध्यान करने से युवाओं को कई लाभ मिलते हैं। सबसे पहले, यह तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है। छात्र अक्सर परीक्षाओं, करियर को लेकर चिंतित रहते हैं, लेकिन सहज योग ध्यान का नियमित अभ्यास मानसिक स्पष्टता और विश्राम लाता है। दूसरे, यह एकाग्रता और याददाश्त में सुधार करता है, जो शैक्षणिक सफलता के लिए आवश्यक हैं। एक शांत मन के साथ, सीखना अधिक आसान और प्रभावी हो जाता है।

सहज योग ध्यान नियमित रूप से अभ्यास करने से हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास और आत्म-नियंत्रण जैसे गुणों का विकास करता है। परिणामस्वरूप, युवा चुनौतियों को अधिक सकारात्मक रूप से संभाल सकते हैं।इस प्रकार सहजयोग ध्यान युवाओं को सही दिशा तथा स्थिरता व आनंदमय जीवन प्रदान करता है।

स्मार्ट नहीं, समावेशी शहर: सूरत का स्लम-फ्री सफर राष्ट्रीय प्रेरणा बने

जब किसी शहर की चमक झुग्गियों के अँधेरे को ढकने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि विकास की तस्वीर अभी अधूरी है। भारत के अधिकांश शहर इसी अधूरेपन का बोझ ढो रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में सूरत ने साबित किया है कि इच्छाशक्ति और सुशासन मिल जाएँ, तो तस्वीर बदल सकती है। वर्ष 2006 में जहाँ इस शहर की लगभग 36 प्रतिशत आबादी झुग्गियों में रहती थी, वहीं वर्ष 2026 तक यह आँकड़ा पाँच प्रतिशत से भी नीचे पहुँच गया। लगभग 70 से 80 लाख की आबादी वाले इस महानगर ने दिखा दिया कि शहरी गरीबी कोई अपरिहार्य नियति नहीं है। राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक दक्षता और जनभागीदारी मिलकर झुग्गियों को इतिहास बना सकती हैं। अब देश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि सूरत की राह राष्ट्रीय नीति कब बनेगी।

हर बड़ा परिवर्तन किसी बड़ी सीख से जन्म लेता है। सूरत के लिए यह सीख 1994 की प्लेग जैसी महामारी थी, जिसने स्पष्ट किया कि अव्यवस्थित बस्तियाँ केवल गरीबी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, शहरी नियोजन और आर्थिक विकास–तीनों के लिए खतरा हैं। इसके बाद नगर प्रशासन ने झुग्गी पुनर्वास को विकास की प्राथमिकता बनाया। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), बेसिक सर्विसेज फॉर अर्बन पुअर (बीएसयूपी) और स्मार्ट सिटी मिशन को स्थानीय जरूरतों के अनुसार लागू किया गया। पुनर्वास के साथ पक्के मकानों के अलावा स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय, सड़कें और सामुदायिक सुविधाएँ भी दी गईं। परिणामस्वरूप पुनर्वासित परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, स्वास्थ्य सेवाएँ बेहतर हुईं, बच्चों का स्कूल छोड़ना घटा और अपराध दर में कमी आई।

किसी भी बदलाव की सबसे मजबूत नींव जनता का भरोसा होती है। सूरत ने विकास को सरकारी योजना नहीं, जनभागीदारी का अभियान बनाया। देश में अनेक पुनर्वास योजनाएँ इसलिए विफल रहीं क्योंकि लोगों को केवल लाभार्थी माना गया, भागीदार नहीं। सूरत ने यह सोच बदल दी। महिलाओं, स्व-सहायता समूहों और स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों को योजना निर्माण, क्रियान्वयन और निगरानी के हर स्तर पर भागीदारी दी गई। महिलाओं ने बस्तियों की जरूरतें सामने रखीं, पुनर्वास कार्यों की निगरानी की और निर्णय प्रक्रिया में भाग लिया। इससे योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ी, नए आवासीय क्षेत्रों के प्रति अपनत्व विकसित हुआ और पुनर्वासित बस्तियाँ समुदाय की अपनी बस्तियाँ बन गईं। विश्व बैंक ने भी अपने शहरी विकास अध्ययनों में सूरत के इस समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण को अनुकरणीय माना है।

रोटी का भरोसा न हो, तो पक्की छत भी अधूरी सुरक्षा देती है। सूरत ने इसी सच्चाई को समझते हुए पुनर्वास को आर्थिक सशक्तीकरण से जोड़ा। पुनर्वासित परिवारों को हीरा, वस्त्र और अन्य लघु उद्योगों से जोड़ने के विशेष प्रयास किए गए। कौशल विकास केंद्र खोले गए, माइक्रो फाइनेंस उपलब्ध कराया गया और रोजगार से जोड़ने वाले तंत्र विकसित किए गए। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठ सके। यह अनुभव बताता है कि शहरी विकास केवल आवास निर्माण नहीं, बल्कि सम्मानजनक रोजगार, आय सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने का नाम है। जब तक शहर अपने गरीब नागरिकों को अर्थव्यवस्था का सक्रिय भागीदार नहीं बनाएँगे, तब तक शहरी गरीबी का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा।

शहर की असली परख उसकी रफ्तार नहीं, उसकी सांसों की गुणवत्ता होती है। सूरत ने दिखाया कि आधुनिक शहर केवल कंक्रीट नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी से भी संचालित होते हैं। शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाए गए, अपशिष्ट प्रबंधन आधुनिक हुआ और आईओटी आधारित निगरानी लागू की गई। इनसे स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में सुधार हुआ। आज जब कई शहर बाढ़, प्रदूषण और गर्मी से जूझ रहे हैं, सूरत का अनुभव बताता है कि पर्यावरणीय स्थिरता विकास की पहली शर्त है। भविष्य का शहर वही होगा जो आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और पर्यावरण संरक्षण में संतुलन बनाए।

सूरत का अनुभव अब नीति बनने की मांग करता है, न कि केवल सराहना की। इसे किसी एक नगर की उपलब्धि मानकर सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि राष्ट्रीय शहरी नीति का हिस्सा बनाना होगा। सबसे पहले सूरत मॉडल को देशभर में लागू करने की स्पष्ट नीति बने। दूसरे, वित्तीय संसाधनों को लचीला कर निजी क्षेत्र और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) को जोड़ा जाए। तीसरे, नगर निकायों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलें ताकि वे सूरत से सीखकर बेहतर क्रियान्वयन कर सकें। चौथे, पुनर्वासित भूमि पर दोबारा अतिक्रमण रोकने के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। नीति आयोग और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को शीघ्र कदम उठाने चाहिए, क्योंकि अब समय विस्तार का है, प्रयोग का नहीं।

2030 के सतत विकास लक्ष्यों की ओर बढ़ता भारत अब शहरी गरीबी उन्मूलन को अनिवार्य आधार मानता है। सूरत ने सिद्ध किया है कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति, सक्षम प्रशासन, जनभागीदारी और तकनीकी नवाचार साथ आते हैं, तो परिवर्तन कागज़ों से निकलकर जीवन में उतरता है। यदि यही मॉडल देश के अन्य महानगरों और उभरते शहरों में लागू हो, तो करोड़ों लोग झुग्गियों की असुरक्षा से मुक्त हो सकते हैं। उन्हें बेहतर आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षित वातावरण और सम्मानजनक आजीविका मिलेगी। इससे गरीबी घटने के साथ सामाजिक समानता, आर्थिक उत्पादकता और शहरी जीवन की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ शहरों के भविष्य की दिशा तय होनी है। एक रास्ता वह है जिसमें शहरी विस्तार के साथ झुग्गियाँ भी फैलती रहें। दूसरा रास्ता सूरत ने दिखाया है–जहाँ विकास का केंद्र अंतिम पंक्ति का नागरिक होता है। किसी मॉडल की सफलता तभी मानी जाती है जब वह प्रयोग से निकलकर नीति बन जाए। सूरत अब केवल गुजरात का शहर नहीं, बल्कि शहरी भारत के भविष्य की रूपरेखा है। यदि इसे राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाए, तो स्लम-मुक्त शहर नारा नहीं रहेंगे, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में गरिमा, अवसर और आत्मविश्वास का नया अध्याय बनेंगे। यही समय की माँग और भारत के समावेशी भविष्य की दिशा है।

-प्रो. आरके जैन

बच्चों पर मंडराता साइबर खतरा

इंटरनेट मीडिया की दुनिया में आज बच्चों का बचपन लाइक्स और व्यूज के बीच पलने को मजबूर है। बच्चे के मोबाइल स्क्रालिंग, चैटिंग, रील्स देखने के साथ-साथ रील्स बनाने में मां-बाप की सक्रिय सहभागिता चिंता का विषय बन रही है। इसके कारण 80 प्रतिशत से भी अधिक बच्चों के चित्र अथवा उनके वीडियो इंटरनेट पर विद्यमान हैं। इसका अर्थ है कि खेलने, खाने, पढ़ने और कुछ रचनात्मक कार्य करने की उम्र में हम स्वयं ही उन्हें साइबर बुलिंग, आनलाइन शोषण, डिजिटल लत के साथ-साथ निजता के हनन और अनचाहे मानसिक दबाव की ओर घकेल रहे हैं।

विश्व में आज करीब 40 करोड़ बच्चे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। भारत में नौ से तेरह साल के लगभग 76 प्रतिशत बच्चे फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यू-ट्यूब जैसे इंटरनेट मीडिया का प्रयोग केवल समय बिताने के लिए ही नहीं कर रहे, बल्कि वे किड्स इन्फ्लुएंसर बनने की ओर भी अग्रसर हैं। आज अकेले इंस्टाग्राम पर 83 हजार से भी अधिक किड्स इन्फ्लुएंसर सक्रिय हैं। हाल के वर्षों में इनकी संख्या में 41 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है।

इंटरनेट मीडिया से संलग्न बच्चे अब केवल रील्स अथवा वीडियो देखने वाले ही नहीं रह गए हैं, बल्कि कंटेंट क्रिएटर और प्रमोशन के लिए ब्रांड भी बन रहे हैं। कंटेंट क्रिएशन से ये लाखों रुपये भी अर्जित कर रहे हैं। सर्वेक्षण बताते हैं कि 2010 के बाद पैदा हुए 37 प्रतिशत बच्चे इंटरनेट मीडिया के क्षेत्र में इन्फ्लुएंसर बनना चाहते हैं। इन बच्चों के एकाउंट, उनकी वीडियो शूटिंग, उसका संपादन तथा इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने के कार्य इन बच्चों के मां-बाप संभालते हैं। यह किड्स डिजिटल इकोनमी केवल एक आर्थिक अवधारणा ही नहीं है, यह बाल अधिकारों, सुरक्षा, गोपनीयता और नैतिकता से जुड़ा मुद्दा भी है।

जब बच्चे इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय होते हैं, वीडियो देखते या गेम खेलते हैं, तो वे केवल मनोरंजन ही नहीं, डाटा भी उत्पन्न कर रहे होते हैं। उनके व्यवहार, आदतें, पसंद-नापसंद, रुचियां इन डिजिटल कंपनियों के लिए एक आर्थिक वैल्यू लिए होती हैं। यानी जब कोई बच्चा विडियो देखता है, कोई एप डाउनलोड करता है, गेम खेलता है अथवा आनलाइन कक्षा में भाग लेता है, तो ऐसे समय में उसकी लोकेशन, व्यवहार और उसकी रुचियों से जुड़े डाटा एकत्र किए जाते हैं। डिजिटल कंपनियां इस डाटा का उपयोग मार्केट रिसर्च, विज्ञापनों, व्यावसायिक रणनीतियों के निर्माण तथा एल्गोरिदमिक सिफारिशों के लिए करती हैं। यही वजह है कि बच्चों से जुड़े डाटा की सुरक्षा आज गंभीर चिंता का विषय बन रही है।

यह डिजिटल अर्थव्यवस्था बच्चों को शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता और नए वैश्विक अवसरों से जोड़ सकती है, परंतु इस लालच में यदि हमने उनकी डिजिटल सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा की तो यह गंभीर चुनौती भी बन सकती है।

-सुनील कुमार महला

जब कमाई रिश्तों से बड़ी हो जाए...

भारतीय समाज में परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, साझेदारी और पारस्परिक उत्तरदायित्व की एक जीवंत संस्था रहा है। इस संस्था की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि इसमें अधिकार और कर्तव्य दोनों साथ-साथ चलते थे। समय बदला, शिक्षा का विस्तार हुआ, महिलाओं की भागीदारी घर की चौखट से निकलकर शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, न्याय, सेना, विज्ञान और उद्योग तक पहुँची। आर्थिक आत्मनिर्भरता ने महिलाओं को नया आत्मविश्वास दिया, निर्णय लेने की क्षमता दी और उन्हें सामाजिक सम्मान भी दिलाया। यह परिवर्तन न केवल आवश्यक था, बल्कि एक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी था।

लेकिन हर सामाजिक परिवर्तन अपने साथ नई चुनौतियाँ भी लेकर आता है। आज जब परिवारों में पति-पत्नी दोनों कमाने लगे हैं, तब आर्थिक साझेदारी के साथ जिम्मेदारियों की साझेदारी का प्रश्न पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दुर्भाग्य से अनेक परिवारों में यह संतुलन बिगड़ता दिखाई देता है। कहीं अधिकारों पर अधिक जोर है तो कहीं कर्तव्यों की उपेक्षा। परिणामस्वरूप रिश्तों में वह सहजता और अपनापन कम होता जा रहा है जो कभी संयुक्त परिवारों की पहचान हुआ करता था।

लंबे समय तक भारतीय समाज में पुरुष को परिवार का आर्थिक आधार माना गया। उसकी कमाई पर पत्नी, बच्चों और माता-पिता का नैतिक अधिकार समझा जाता था। वह अपनी आय को व्यक्तिगत संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार की पूंजी मानकर चलता था। दूसरी ओर, महिलाओं का योगदान घरेलू श्रम, बच्चों के पालन-पोषण और परिवार के संचालन में अधिक दिखाई देता था। आधुनिक समय में परिस्थितियाँ बदली हैं। महिलाएँ भी पुरुषों के समान मेहनत करके आर्थिक योगदान दे रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी समान रूप से साझा होंगी। किंतु व्यवहार में कई बार तस्वीर इतनी सरल नहीं होती।

आज अनेक परिवारों में यह अनुभव सुनने को मिलता है कि पति की आय को अभी भी घर की मुख्य आय माना जाता है, जबकि पत्नी की आय को व्यक्तिगत बचत, व्यक्तिगत निवेश या व्यक्तिगत स्वतंत्रता का माध्यम समझा जाता है। यह स्थिति हर परिवार में नहीं है, पर जहाँ है, वहाँ असंतोष का कारण बनती है। यदि घर का हर बड़ा खर्च पति वहन करे, लेकिन पत्नी की आय को पारिवारिक उत्तरदायित्व से अलग रखा जाए, तो बराबरी का सिद्धांत अधूरा रह जाता है। इसी प्रकार यदि पति यह अपेक्षा करे कि पत्नी नौकरी भी करे, घर भी संभाले और आर्थिक निर्णयों में उसकी स्वतंत्रता भी न हो, तो यह भी अन्यायपूर्ण है। समस्या किसी एक पक्ष की नहीं, बल्कि दोहरे मापदंडों की है।

बराबरी का अर्थ केवल समान अधिकार नहीं होता। उसका अर्थ समान उत्तरदायित्व भी होता है। यदि दोनों कमाते हैं तो परिवार की आवश्यकताओं, भविष्य की योजनाओं, बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और आकस्मिक परिस्थितियों की जिम्मेदारी भी दोनों की होनी चाहिए। आर्थिक साझेदारी का अर्थ केवल आय जोड़ना नहीं, बल्कि विश्वास जोड़ना भी है।

समस्या का दूसरा पहलू मनोवैज्ञानिक है। धन केवल सुविधाएँ नहीं देता, वह आत्मविश्वास भी देता है। लेकिन यही आत्मविश्वास यदि अहंकार में बदल जाए तो रिश्तों में दूरी आने लगती है। कभी-कभी देखा जाता है कि जिसकी आय अधिक होती है, वही निर्णयों पर अपना अधिकार अधिक मानने लगता है। यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी दिखाई देती रही है और आज कुछ महिलाओं में भी देखने को मिलती है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि आर्थिक अहंकार केवल किसी एक लिंग की समस्या है। धन का अहंकार व्यक्ति को बदलता है, उसका लिंग नहीं। आज सोशल मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में स्त्री-पुरुष संबंधों को अक्सर संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। एक पक्ष अपने अधिकारों की बात करता है तो दूसरा अपने साथ हुए अन्याय की। इस खींचतान में परिवार, संवाद और साझेदारी पीछे छूट जाते हैं। किसी भी विचारधारा का उद्देश्य यदि संतुलन स्थापित करना है तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन यदि किसी भी विचार की व्याख्या अधिकारों तक सीमित होकर कर्तव्यों को गौण कर दे, तो समाज में असंतुलन पैदा होना स्वाभाविक है।

यह भी सच है कि आज लाखों महिलाएँ अपनी पूरी आय परिवार पर खर्च करती हैं। वे नौकरी के साथ-साथ घर, बच्चों और बुजुर्गों की जिम्मेदारियाँ भी निभाती हैं। अनेक परिवार ऐसे भी हैं जहाँ पति-पत्नी बिना किसी हिसाब-किताब के अपनी कमाई को साझा करते हैं और निर्णय भी मिलकर लेते हैं। इसलिए किसी एक वर्ग को दोषी ठहराना न तो उचित है और न ही तथ्यपरक। सामाजिक विश्लेषण का उद्देश्य आरोप लगाना नहीं, बल्कि प्रवृत्तियों को समझना और समाधान तलाशना होना चाहिए। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब पति-पत्नी के बीच आर्थिक पारदर्शिता समाप्त हो जाती है। आय, बचत, निवेश और खर्च यदि अलग-अलग दुनिया बन जाएँ, तो रिश्तों में संदेह जन्म लेने लगता है। आर्थिक गोपनीयता कभी-कभी भावनात्मक दूरी में बदल जाती है। विवाह साझेदारी का संबंध है, व्यापारिक अनुबंध नहीं। इसमें विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है।

आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। आय बढ़ी है, लेकिन संवाद कम हुआ है। स्वतंत्रता बढ़ी है, लेकिन साझेदारी कमजोर हुई है। पहले परिवार सीमित संसाधनों में भी साथ रहते थे क्योंकि निर्णय सामूहिक होते थे। आज संसाधन अधिक हैं, लेकिन कई बार %मेरा% और %तेरा% की मानसिकता रिश्तों को बाँट देती है।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या घरेलू श्रम का मूल्य आर्थिक आय से कम है? यदि पत्नी घर संभालती है और पति बाहर कमाता है, तो क्या केवल कमाने वाला ही परिवार चला रहा है? बिल्कुल नहीं। उसी प्रकार यदि पत्नी भी नौकरी करती है, तो क्या घर की सारी जिम्मेदारी उसी पर छोड़ देना उचित है? इसका उत्तर भी नहीं है। परिवार तभी संतुलित रहेगा जब आर्थिक और घरेलू दोनों प्रकार के श्रम का समान सम्मान होगा।

बच्चों पर भी इस बदलते वातावरण का प्रभाव पड़ रहा है। वे अपने माता-पिता को यदि आर्थिक प्रतिस्पर्धा में उलझा हुआ देखते हैं, तो उनके मन में भी रिश्तों की परिभाषा बदलने लगती है। वे सहयोग से अधिक अधिकारों की भाषा सीखते हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह चिंता का विषय है। परिवार केवल वर्तमान नहीं बनाता, भविष्य भी गढ़ता है।

समाधान क्या है? समाधान किसी एक पक्ष को दोषी ठहराने में नहीं, बल्कि पारिवारिक संवाद को मजबूत बनाने में है। विवाह के बाद पति-पत्नी को आर्थिक अपेक्षाओं, बचत, निवेश, पारिवारिक खर्च और व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। यह तय होना चाहिए कि दोनों अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार परिवार में योगदान देंगे। किसी की आय कम या अधिक होना सम्मान का पैमाना नहीं बनना चाहिए।

आर्थिक स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ स्वच्छंदता नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वपूर्ण स्वतंत्रता है। स्वतंत्र व्यक्ति वही है जो अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी स्वीकार करता है। यदि कमाई केवल व्यक्तिगत सुविधा का साधन बन जाए और परिवार की सामूहिक आवश्यकताएँ पीछे छूट जाएँ, तो आर्थिक समृद्धि भी रिश्तों को नहीं बचा सकती।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम समानता की नई परिभाषा गढ़ें। ऐसी समानता जिसमें पुरुष अपनी पारंपरिक श्रेष्ठता छोड़कर साझेदारी स्वीकार करे और महिला अपनी आर्थिक स्वतंत्रता के साथ पारिवारिक उत्तरदायित्व को भी समान सम्मान दे। दोनों एक-दूसरे को प्रतिस्पर्धी नहीं, सहयोगी समझें। विवाह किसी की जीत या हार का मंच नहीं, बल्कि जीवन की साझी यात्रा है।

अंततः याद रखना होगा कि धन जीवन को सुविधाजनक बना सकता है, लेकिन सुखी नहीं बना सकता। बैंक बैलेंस सुरक्षा दे सकता है, लेकिन अपनापन नहीं। महँगे घर बनाए जा सकते हैं, पर परिवार नहीं खरीदे जा सकते। रिश्तों की सबसे बड़ी मुद्रा आज भी विश्वास, संवेदनशीलता, त्याग और परस्पर सम्मान ही है।

जब कमाई रिश्तों से बड़ी होने लगती है, तब परिवार धीरे-धीरे आर्थिक इकाई में बदल जाता है। वहाँ प्रेम की जगह हिसाब ले लेता है, साझेदारी की जगह स्वामित्व और संवाद की जगह तर्क। इसलिए समय रहते यह समझना आवश्यक है कि कमाई जीवन का साधन है, उद्देश्य नहीं। यदि धन रिश्तों को मजबूत करे तो वह वरदान है, लेकिन यदि वही रिश्तों के बीच दीवार बन जाए तो उससे बड़ी विडंबना कोई नहीं।

एक स्वस्थ समाज वही होगा जहाँ स्त्री और पुरुष दोनों आर्थिक रूप से सक्षम हों, दोनों स्वतंत्र हों, दोनों सम्मानित हों और दोनों अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समान निष्ठा से निभाएँ। यही सच्ची समानता है, यही सच्ची साझेदारी है और यही भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति भी।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

मंदिरों के चढ़ावे का उपयोग

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हिंदू समाज को आहत और साथ ही इस मंदिर के ट्रस्ट के प्रति लोगों के भरोसे को चोट पहुंचाने वाली है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि कितनी राशि की चोरी की गई और वह कब से जारी थी, लेकिन यह शर्मनाक है कि दान राशि उन्हीं लोगों ने हड़पी, जिन पर उसकी देख-रेख की जिम्मेदारी थी।

अभी तक इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार कर विशेष जांच दल यानी एसआइटी की ओर से पूछताछ जारी है। मामले की गंभीरता और व्यापकता को देखते हुए एसआइटी की समय सीमा बढ़ा दी गई है। देखना है कि वह तय समय में अपनी जांच पूरी कर पाती है या नहीं?

चूंकि राम मंदिर सदियों की प्रतीक्षा और संघर्ष के बाद बना, इसलिए उसके उद्घाटन के बाद से ही देश-विदेश के लोग अयोध्या आ रहे थे और हर महीने करोड़ों की दान राशि आ रही थी। इस दान राशि के उपयोग का अधिकार ट्रस्ट के पास है। दान राशि के उपयोग में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं और वह होना भी नहीं चाहिए, लेकिन यह तो सुनिश्चित होना ही चाहिए कि ट्रस्ट उसका उपयोग सही तरह से करे।

जैसे राम मंदिर के लिए एक ट्रस्ट बना है, वैसे ही अन्य प्रमुख मंदिरों के लिए भी है। कुछ मंदिरों में भक्त करोड़ों का दान देते हैं। जहां कुछ मंदिरों के ट्रस्ट में सरकारी अधिकारी भी शामिल होते हैं, वहीं कुछ पूरी तौर पर सरकार की ओर से संचालित होते हैं। ऐसे मंदिरों को मिलने वाले चढ़ावे की राशि का उपयोग सरकारें अपने हिसाब से करती हैं।

इसे लेकर कई बार सवाल उठ चुके हैं कि क्या मंदिरों का चढ़ावा हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार और हिंदू समाज के कल्याण के लिए ही होता है? ऐसे सवाल इसलिए उठते रहे हैं, क्योंकि कई मंदिरों की दान राशि का इस्तेमाल हिंदू धर्म के कल्याण से इतर कार्यों में भी किए जाने की खबरें आती रही हैं।

आम तौर पर जो छोटे मंदिर हैं, उनके चढ़ावे की राशि तो पुजारियों, सेवादारों के गुजारे के साथ मंदिर के रखरखाव, भंडारे आदि के आयोजन में ही खर्च हो जाती है। क्या इस सबसे हिंदू धर्म के प्रचार के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है? कुछ बड़े मंदिरों के ट्रस्ट शिक्षा संस्थान, अस्पताल, धर्मशालाएं आदि चलाते हैं, लेकिन इसका सटीक आंकड़ा शायद ही किसी के पास हो कि देश के प्रमुख मंदिरों को प्रति वर्ष कितना चढ़ावा मिलता है और उसका उपयोग किन-किन कार्यों में किया जाता है?

इसका कारण यह है कि इसकी कोई सुनिश्चित व्यवस्था नहीं कि चढ़ावे की राशि किन कार्यों में खर्च की जाएगी और किनमें नहीं? निःसंदेह मंदिरों को मिलने वाली चढ़ावे की राशि हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार और कल्याण में ही खर्च होनी चाहिए, लेकिन यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आखिर हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का काम प्रभावी तरीके से किस प्रकार किया जाए? क्या संस्कृत विद्यालयों अथवा गुरुकुलों का संचालन करने मात्र से हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का उद्देश्य पूरा हो जाता है?

क्या हिंदू धर्म के वैभव प्रदर्शन से धर्म प्रचार का उद्देश्य पूरा हो जाता है? प्रश्न यह भी है कि क्या हिंदू धर्म का प्रचार केवल हिंदुओं के बीच होना चाहिए? विडंबना यह है कि इसे लेकर हिंदू धर्माचार्यों और मंदिर ट्रस्ट का संचालन करने वालों में कोई सहमति नहीं है।

हिंदू धर्म की विशेषता यह है कि यह किसी एक ग्रंथ या देव के दर्शन पर आधारित नहीं है। हिंदुओं को इसकी स्वतंत्रता है कि वे अपनी इच्छानुसार किसी इष्ट की पूजा-अर्चना करें। हिंदू धर्म के अनुयायियों के रीति-रिवाज भी अलग-अलग हैं और वे सब अपनी आस्था के अनुसार उनका पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोई कर्मकांडों को महत्व देता है तो कोई उनकी आवश्यकता नहीं समझता। हिंदू धर्म की विशेषताएं ही उसे अन्य धर्मों-पंथों से अलग करती हैं, लेकिन संभवतः इसी कारण इसकी कोई रूपरेखा भी नहीं बन सकी है कि आखिर हिंदू धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार कैसे हो?

इसके विपरीत सनातन की शाखा समझे जाने वाले बौद्ध मत का प्रचार-प्रसार सुनियोजित तरीके से किया गया। इसका परिणाम यह है कि आज अनेक देशों में बौद्ध मत के अनुयायी हैं, लेकिन समय के साथ बौद्ध पंथ को हिंदू धर्म से अलग देखा जाने लगा। जैन और सिख पंथ भी सनातन की ही शाखा हैं। सभी अपने-अपने अनुसार अपने मत का प्रचार करते हैं, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि ईसाइयत और इस्लाम का प्रचार करने वाले कहीं अधिक संगठित हैं और सुनियोजित हैं। इसीलिए उनसे जुड़े संगठनों पर मतांतरण के आरोप लगते रहते हैं।

मंदिरों की समस्या यह है कि जहां कई बड़े मंदिरों के संचालन में सरकारी हस्तक्षेप रहता है, वहीं अन्य पंथों के अनुयायी अपने धार्मिक स्थलों का संचालन अपने हिसाब से करते हैं और उसमें सरकार का कोई दखल नहीं रहता। यह एक विसंगति है। हिंदू संगठन लगातार यह मांग करते चले आ रहे हैं कि मंदिरों का संचालन हिंदू समाज को सौंपा जाए, लेकिन इस मांग पर बल देने के साथ ही यह भी आवश्यक है कि मंदिरों के संचालन की कोई ठोस संहिता बने।

-धनंजय राजौरा

आईसीयू में पर्याप्त संसाधन के साथ हो रहा मरीजों का उपचार

स्टाफ से लेकर अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध है। इसके चलते यहां भर्ती मरीजों को उचित उपचार मिलता है। इसमें मरीजों के उपचार के लिए विशेषज्ञों से लेकर नर्सिंग स्टॉफ भी उपलब्ध है। वहीं अन्य संसाधन भी यहां पर है। जिससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती है।

जिला अस्पताल में मरीजों के लिए कुल 300 बेड उपलब्ध है। इसमें आईसीयू, पीआईसीयू, एसएनसीयू, एचडीयू मिलाकर कुल 58 बेड उपलब्ध है। इन बेड पर आक्सीजन लाइन डाली हुई है। जिसका कनेक्शन जिला अस्पताल प्रांगण में स्थित आक्सीजन प्लांट से है। इससे यहां से हर समय प्रत्येक मरीज के पास आक्सीजन की उपलब्धता रहती है। आसीयू के दो विशेषज्ञ चिकित्सक एवं मेडिकल आफिसर उपलब्ध है। अनुभवी नर्सिंग स्टाफ के रूप में यहां पर 24 घंटे स्टाफ उपस्थित रहता है। बच्चों के पीआइसूयी में 10 बेड और एसएनसीयू में 26 बेड है। वहीं प्रसूती महिलओं के लिए एचडीयू में भी 10 बेड उपलब्ध है। इस तरह पूरे अस्पताल में मिलाकर नवजात, बच्चें, प्रसूताओं एवं अन्य बीमारी के मरीजों के लिए कुल मिलाकर गहन चिकित्सा इकाई के 58 बेड उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त आईसीयू में वेंटीलेटर, मॉनिटर की भी पर्याप्त उपलब्धता है।

दो विशेषज्ञ एवं मेडिकल आफिसर भी हैं उपलब्ध- जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर में स्थित गहन चिकित्सा इकाई में मरीजों के उपचार के लिए दो विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध है। ये चिकित्सक इस वार्ड में विशेष निगरानी रखते हुए मरीजों को उपचार देते है। इसके अतिरिक्त मेडिकल आफिसर भी यहां पर आवश्यकता होने पर तत्काल उपलब्ध रहते है। जिससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं रहती है। इसके अतिरिक्त वार्ड में 24 घंटे नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहता है। यहां पर नियमित रूप से साफ-सफाई का कार्य भी सफाईकर्मियों द्वारा किया जाता है।

एयर कंडिशनर भी लगा हुआ आईसीयू में- जिला अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में प्रत्येक दो बेड के बीच में एक टेबल फेन दीवार पर लगा हुआ है। वहीं पूरे वार्ड में एयर कंडीशनर भी लगाया हुआ है। जिससे यहां पर भर्ती मरीजों को मौसम की मार का सामना नहीं करना पड़ता है। वहीं आईसीयू में भर्ती मरीज के परिजनों को वार्ड के बाहर ही रखा जाता है। जिससे यहां पर उपचार में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए।

इनका कहना है- जिला अस्पताल के आइसीयू वार्ड में आवश्यकतानुसार सुविधाएं एवं संसाधन मौजूद है। 300 बेड के अस्पताल में सभी तरह की गहन चिकित्सा इकाई मिलाकर 58 बेड है। इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ की भी उपलब्धता है।

- डॉ. गोविंद पाटीदार, आरएमओ, जिला अस्पताल-शाजापुर

शाजापुर में कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार शाम करीब 6 बजे नगर पालिका कार्यालय के पास एक कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और कार चालक सुरक्षित बाहर निकल आया।

जानकारी के अनुसार कार चालक बाबूलाल मुकाती वाहन चला रहे थे। तभी सड़क पर अचानक एक कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में चालक ने कार मोड़ी, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया। कार पहले सड़क किनारे खड़ी एक अन्य कार से टकराई और फिर फिसलकर नहर में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शी सुमित ने बताया कि हादसा होते ही आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन कार को काफी नुकसान हुआ है। स्थानीय निवासी राहुल ने बताया कि नहर के किनारे पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम न होने के कारण यहां दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से नहर के आसपास सुरक्षा रेलिंग मजबूत करने और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

दतिया विधानसभा उप निर्वाचन 2026 निर्वाचन कार्य से जुड़े विभिन्न दलों का प्रशिक्षण सम्पन्न

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दतिया विधानसभा उप निर्वाचन पूरी तरह स्वतंत्र निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री स्वप्निल वानखड़े के निर्देशन में नामांकन (नाम निर्देशन) दल, फ्लाइंग स्क्रायड, स्थैटिक निगरानी दल और वीडियो निगरानी दल व्हीएसटी का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस अवसर पर पर एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी 22 दतिया सुश्री सोनाली राजपूत ने सभी दलों को पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। एसडीएम सेवढ़ा श्री अशोक अवस्थी ने वाहनों की चेकिंग सूक्ष्मता से करने के निर्देश दिए। एआरओ श्री अजय झा ने नामांकन फार्मों की जांच बारीकी से करने के निर्देश दिए तथा राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर मनोज द्विवेदी एवं प्रोफेसर सुधीर कुमार पांडेय ने पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदाय करते हुए अलग अलग सत्रों में सभी टीमों को ड्यूटी के दौरान बरती जाने बाली सावधानियों की जानकारी दी तथा उनकी शंकाओं और प्रश्नों का समाधान किया।

गौरक्षा सेना ने पांच गोवंशों का किया उपचार

शाजापुर में घायल-बीमार पशुओं को नया जीवनय इलाज में जुटे कार्यकर्ता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गौरक्षा सेना के सदस्यों ने रविवार को शहर के पांच अलग-अलग स्थानों पर घायल और बीमार गोवंशों का इलाज किया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंचकर पशुओं को राहत पहुंचाई।

पहली घटना विजय नगर स्थित सांदीपनि ज्ञानपीठ स्कूल के सामने गली में हुई। नगर महासचिव हर्षित परमार को सूचना मिली थी कि एक गोवंश पर आवारा कुत्तों ने हमला कर उसे घायल कर दिया था। कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर गोवंश का प्राथमिक इलाज किया। दूसरी घटना टावर के सामने काशी विश्वनाथ मंदिर के पास सामने आई। यहां एक नंदी टाइल्स पर फिसलने से घायल होकर रातभर से बैठा था और उठ नहीं पा रहा था। सूचना मिलने पर हर्षित परमार, अक्षय गुर्जर, प्रतीक सक्सेना, शिवम बिरथरे और प्रीतम चैहान मौके पर पहुंचे। उन्होंने रस्सी की सहायता से नंदी को सुरक्षित बाहर निकाला, इलाज किया और काफी प्रयासों के बाद उसे खड़ा कराया।

दो दिनों से बीमार गाय का इलाज किया - तीसरी घटना आदित्य नगर स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के सामने वाली गली में दर्ज की गई, जहां पिछले दो दिनों से बीमार पड़ी एक गाय का इलाज किया गया। चैथी घटना लालघाटी स्थित होंडा शोरूम के पास चित्तौड़ मार्बल एंड टाइल्स गोदाम के पास की है। यहां एक नंदी पिछले दिन से बैठा हुआ था, जिसका इलाज कर उसे भी खड़ा किया गया। पांचवीं घटना निमवाड़ी स्थित भैरू महाराज मंदिर के सामने हुई। यहां एक गाय के शरीर से खून बहने की सूचना पर गौरक्षा सेना के सदस्य तत्काल पहुंचे और उसका इलाज किया। गौरक्षा सेना शाजापुर ने बताया कि संस्था के सदस्य वर्ष के 365 दिन और 24 घंटे गोवंश एवं अन्य मूक प्राणियों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। संस्था ने नागरिकों से अपील की है कि कहीं भी कोई गोवंश घायल, बीमार या संकट में दिखाई दे तो तत्काल सूचना दें, ताकि समय रहते उसका इलाज कराया जा सके।

खेल पुरस्कार-2026 के लिए 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि खेल पुरस्कार-2026 (एकलव्य, विक्रम, विश्वामित्र, प्रभाष जोशी एवं लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार) के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई 2026 तक आमंत्रित है। यह पुरस्कार खेल और युवा कल्याण विभाग, म.प्र. शासन के नवीन ''पुरस्कार नियम 2021' के अनुसार विगत 05 वर्षों (01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च, 2026) में अर्जित खेल उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किये जाएंगे। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि साहसिक खेल (समुद्र, जमीन एवं वायु आधारित) के लिए भी विक्रम एवं एकलव्य पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। पुरस्कार के लिए पात्रता, पुरस्कार राशि व अन्य शर्ते विभागीय वेबसाइट www.dsyw.mp.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदक विभागीय वेबसाइट पर दी गई लिंक से या सीधे https://anudan.dsywmp.gov.in तथा प्ले स्टोर से खेल और युवा कल्याण के Anudan App Download करके भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदक को ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत आवेदन की प्रति (जिस पर पंजीयन क्रमांक अंकित हो) के साथ खेल प्रमाण-पत्र एवं अन्य अभिलेख की छाया प्रति संबंधित जिले के जिला खेल और युवा कल्याण कार्यालय/संचालनालय, खेल और युवा कल्याण, टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में दिनांक 31 जुलाई, 2026 तक जमा करना अनिवार्य होगा।

विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी व समग्र ई-केवायसी के लिए जिले में शिविर होंगे आयोजित

नरसिहंपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में विभिन्न योजनाओं के लाभों से कोई हितग्राही वंचित न हो तथा विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी व समग्र ई-केवायसी लंबित न रहे, इसके लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के आदेश पर जिले में शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक वार्डो और ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के एक दिन पूर्व शहरी क्षेत्र में वार्ड प्रभारी, आशा कार्यकर्ता व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वार्ड भ्रमण कर और पंचायतों में सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व पटवारी ग्राम भ्रमण कर वंचित परिवारों से सम्पर्क कर आवश्यक दस्तावेज सहित शिविर में आने के लिए आग्रह करेंगे। शिविर दिवस को सभी आवश्यक पंजीयन सेचुरेशन मोड़ पर पूर्ण किया जाएगा। शिविर की जानकारी नागरिकों को दो दिवस पूर्व डोंडी पीटकर या लाउड स्पीकर के माध्यम से दी जाएगी। यदि शिविर दिवस के दौरान अत्याधिक संख्या के कारण पंजीयन शेष रह जाते हैं, तो आगामी दिवस में समस्त पंजीयन पूर्ण करेंगे। आयोजित होने वाले शिविरों में योजनाओं का पंजीयन भी किया जाएगा।

8 जुलाई को जिले के नगर पालिका गाडरवारा के गांधी वार्ड व राजेन्द्र बाबू वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के नेहरू वार्ड व शंकर वार्ड, नगर पालिका करेली के अम्बेडकर वार्ड व गणेश वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के आजाद वार्ड व बजरंग वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड एक भगत सिंह वार्ड व वार्ड दो बाल गंगाधर तिलक वार्ड, नगर परिषद चीचली, नगर परिषद सालीचौका और नगर परिषद सांईखेड़ा के वार्ड एक व वार्ड दो में शिविर लगाए जाएंगे। इसी तरह 8 जुलाई को जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत अम्हेटा, आमगांवबड़ा, अमथनू, बघुवार व बम्हनी, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत आलोद, अमोदा, बबरिया, बचई व बडगुवा, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत आड़ेगांव, जमाड़ा, अर्जुनगांव, बाबईकला व बाबई खुर्द, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत अकोला, आंखीवाड़ा, अतरिया, बढ़ैयाखेड़ा व बगासपुर, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत आड़ेगांव, अजंदा, आमगांव छोटा, बगदरी व बम्हौरी और जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत अजंसरा, अंडिया, अड्डाइसा, बम्होरी व बंधा में शिविर लगाए जाएंगे।

जारी आदेश के मुताबिक शिविर के दौरान प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत 18 वर्ष से 40 वर्ष की आयु के बीच पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा, जिसकी मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम होनी चाहिए। उक्त पंजीयन ग्राम पंचायत सचिव द्वारा किया जाएगा। साथ ही संबल कार्ड एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल कार्ड के लंबित आवेदनों का पंजीयन भी किया जाएगा।

तेज हवा के साथ हुई तेज बारिश, उमस से मिली राहत

आज भी तेज बारिश के आसार, मानसून का हुआ आगाज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रविवार शाम करीब छह बजे के बाद मौसम में अचानक बदलाव आया। आसमान पर घने बादल छा गए और तेज हवा के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस सीजन में जिले में पहली बार इतनी तेज बारिश दर्ज की गई।

बारिश से मौसम सुहावना हो गया, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। देर रात तक कई क्षेत्रों में रुक-रुककर रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया के अनुसार, रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में आर्द्रता 66 प्रतिशत रही, जबकि दक्षिण-पश्चिम दिशा से औसतन 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। धनोतिया ने बताया कि मौसम प्रणाली अभी सक्रिय बनी हुई है। इसके प्रभाव से सोमवार शाम और रात के दौरान शाजापुर जिले में मध्यम से तेज वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर जाने से बचने और सतर्क रहने की सलाह दी है। किसानों के लिए भी यह बारिश खरीफ फसलों की बढ़वार के लिहाज से लाभदायक मानी जा रही है।

साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय साक्षरता के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग अपनाने एवं साइबर ठगी से सतर्क रहने का दिया संदेश

सिवनी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय स्टेट बैंक के अग्रणी जिला बैंक, सिवनी द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गंगेरुआ (धपारा) में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें वित्तीय रूप से जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक श्री प्रवीण कुमार दिसोरिया एवं वित्तीय साक्षरता केंद्र के परामर्शदाता श्री राजेन्द्र सदाफल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक, विशेषकर विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा संबंधी सावधानियों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी परिस्थिति में ओटीपी, पिन, सीवीवी, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की अपील की। उन्होंने एकीकृत भुगतान अंतरफलक (यूपीआई), मोबाइल बैंकिंग एवं इंटरनेट बैंकिंग का सुरक्षित उपयोग करने के उपायों की जानकारी देते हुए ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल अथवा संदेश से सावधान रहने की सलाह दी। साथ ही नियमित बचत की आदत विकसित करने, बैंकिंग सेवाओं का समुचित उपयोग करने एवं भविष्य के लिए वित्तीय योजना बनाने के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि यदि किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का सामना करना पड़े तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से भी शिकायत दर्ज की जा सकती है, जिससे समय पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बैंकिंग एवं साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा सरल एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समाधान किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा वित्तीय अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करें- कलेक्टर

अशोक नगर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व प्रकरणों का निराकरण शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए। राजस्व प्रकरण सीधे तौर पर आमजन से जुडे होते हैं, इसलिए इनके निराकरण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक विलंब की स्थित स्वीकार्य नही होगी। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्री साकेत मालवीय ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिये।

बैठक में कलेक्टर श्री साकेत मालवीय ने कहा कि जिले के नागरिकों को राजस्व संबंधी सेवाएं सरल एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इस हेतु राजस्व अधिकारी राजस्व प्रकरणों का निपटारा समय सीमा में करें। बैठक में तहसीलवार राजस्व प्रकरणों के निराकरण एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के निराकरण, भू-अभिलेख सुधार तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सीधे तौर पर किसानों, ग्रामीणों और आम नागरिकों से जुड़ा विभाग है, इसलिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। विशेष रूप से नामांतरण, सीमांकन और बंटवारा जैसे प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न करते हुए शीघ्र निराकरण करें । उन्होंने राजस्व अधिकारियों को नियमित रूप से न्यायालय लगाकर लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन से संबंधित प्रकरणों का निराकरण पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराया जाए। समीक्षा बैठक में भू-अभिलेखों के दुरूस्तीकरण, डिजिटल रिकॉर्ड संधारण तथा फील्ड निरीक्षण की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए । बैठक में कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि वर्षाकाल के दौरान अपने-अपने क्षेत्र में ग्रामों का भ्रमण कर वर्षा से जलभराव की स्थिति से निपटने आवश्यक व्यवस्थाएं एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखी जाएं। बैठक में न्यायालयीन प्रकरणों,जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण,मुख्य सचिव की बैठकों के एंजेडा बिन्दुओं,भू आवंटन,लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय सीमा के आवेदनों का निराकरण,लघु सिंचाई गणना,फार्मर रजिस्ट्री तथा खण्डस्तरीय समितियों की बैठकों के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये । बैठक में अपर कलेक्टर श्री डी.एन.सिंह,संयुक्त कलेक्टर श्री आर.बी.सिण्डोस्कर सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को लेकर योजना की नोडल अधिकारी श्रीमती स्वाती मीणा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित कृषि एवं संबद्ध विभागों की गतिविधियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में कृषि, मत्स्य, सहकारिता, उद्योग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), आत्मा परियोजना सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित गतिविधियों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ बनाने तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि ऋष्ण वितरण की स्थिति एवं किसानों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

स्लीमनाबाद टनल के पूर्ण होने के बाद 6 जिलों का 1.85 लाख हेक्टेयर भू-क्षेत्र होगा सिंचित टनल की खुदाई का कार्य मात्र 40 मीटर शेष, नर्मदा जल से किसान होंगे समृद्ध

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कृषक कल्याण वर्ष में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार कों सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश के अनुक्रम में कटनी जिले के स्लीमनाबाद टनल की खुदाई का कार्य लगभग पूर्णता पर है। टनल की कुल लम्बाई 11.952 किलोमीटर में से अब मात्र 40 मीटर टनल का हीं खनन कार्य शेष है। तकनीकी तौर पर मशीन में यदि कोई व्यवधान नहीं आता है, तो टनल खनन का कार्य 15 जुलाई तक पूर्ण कर लिए जाने की योजना है। बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दाई तट मुख्य नहर के किलोमीटर 104 से 116.865 किलोमीटर के मध्य निर्मित इस टनल का कार्य करीब डेढ़ दशक से चल रहा था। टनल की कुल लम्बाई 116.865 किलोमीटर से 129 किलोमीटर तक ओपन कैनाल रहेगी। इस कैनाल की जल प्रवाह क्षमता 152 क्यूमेक है जबकि टनल का डायमीटर 10.140 मीटर है। इस स्लीमनाबाद टनल के पूर्ण होने के बाद 1.85 लाख हेक्टयर भू क्षेत्र में सिचाई प्रस्तावित है। किसान होंगे समृद्धनर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री श्री सहज श्रीवास्तव ने बताया कि अंचल के किसानों की समृद्धि और विकास की दिशा में स्लीमनाबाद टनल का निर्माण एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इस टनल के बनने से क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इस टनल से कटनी शहर की पेयजल की आपूर्ति के लिए भी पानी मिलेगा। इसके साथ ही जिले के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका फायदा मिलेगा। ये जिले होंगे लाभान्वितपरियोजना से कटनी जिले का 21 हजार 823 हेक्टेयर, मैहर का 54 हजार 227 हेक्टेयर, सतना का 1 लाख 4 हजार 970 हेक्टेयर, पन्ना का 448 हेक्टेयर और रीवा का 3 हजार 84 हेक्टेयर क्षेत्र सीधे लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही इन जिलों के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका बड़ा फायदा मिलेगा। बरगी व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत जबलपुर स्थित बरगी बाँध से निकलने वाली स्लीमनाबाद की यह दाई तट मुख्य नहर (ट्रांस वेल्ली कैनाल) प्रदेश की सबसे ज्यादा 227 क्यूमेक पानी डिस्चार्ज केयरिंग कैपेसिटी वाली नहर होंगी।

महा-अभियानः विकास की राह में बाधा नहीं बना आस्था का प्रतीक, युवक ने निजी खर्च पर कराया विशाल त्रिवेणी वृक्ष का सफल ट्रांसप्लांटेशन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की एक ऐसी अनूठी और मिसाल पेश करने वाली खबर सामने आई है, जो आज के दौर में हर नागरिक के लिए प्रेरणा है। बदनावरङ्कबड़नगर रोड के चौड़ीकरण के दौरान जब कुल्हाड़ी की जद में कई हरे-भरे पेड़ आ रहे थे, तब एक जागरूक नागरिक ने न केवल आस्था को बचाया, बल्कि प्रकृति को भी नया जीवन दान दिया।

यह सराहनीय कदम उठाया है हर्षवर्धन शर्मा (संचालक, सम्पूर्ण टायर्स) ने, जिन्होंने सड़क निर्माण की जद में आए बरसों पुराने विशाल त्रिवेणी वृक्ष (पीपल, बरगद और नीम का दुर्लभ संगम) को कटने से बचाकर, अपने निजी खर्च पर सुरक्षित स्थान पर सफलतापूर्वक स्थानांतरित करवाया।

जब कुल्हाड़ी उठने ही वाली थी, तब रुकवाया काम- सड़क निर्माण का कार्य जब हर्षवर्धन शर्मा की दुकान सम्पूर्ण टायर्स के पास पहुँचा, तो वहाँ वर्षों पुराना त्रिवेणी वृक्ष खड़ा था। हिंदू धर्म में त्रिवेणी को साक्षात देव-स्वरूप, आस्था और पर्यावरण का रक्षक माना जाता है। इसे काटने की तैयारी की खबर मिलते ही हर्षवर्धन शर्मा ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और निर्माण कंपनी से बात कर काम रुकवाया। उन्होंने पेड़ को काटने के बजाय उसे लाइफ सपोर्ट देकर दूसरी जगह शिफ्ट करने का साहसिक फैसला लिया।

भारी मशीनों और वैज्ञानिक पद्धति से हुआ ऑपरेशन ग्रीन- इस विशालकाय पेड़ को सुरक्षित शिफ्ट करना कोई आसान काम नहीं था। इसके लिए हर्षवर्धन ने अपने निजी खर्च पर~

हाइड्रा क्रेन और आधुनिक संसाधनों की व्यवस्था की।

पेड़ की जड़ों को बेहद सावधानीपूर्वक मिट्टी सहित उखड़वाया।

बड़नगर रोड स्थित अपने परिचित मलखान पटेल के प्लॉट पर इस त्रिवेणी को पुनः स्थापित किया गया।

वैज्ञानिक देखरेख~ पेड़ दोबारा अपनी जड़ें पकड़ सके, इसके लिए गड्ढे की वैज्ञानिक रूप से तैयारी की गई, उचित खाद डाली गई और अब नियमित सिंचाई व विशेषज्ञों की देखरेख में इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है।

पेड़ सिर्फ ऑक्सीजन नहीं, हमारी संस्कृति के रक्षक हैं – हर्षवर्धन शर्मा

विकास आज की जरूरत है, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। लेकिन यदि थोड़े से प्रयास, तकनीक और संवेदनशीलता से किसी जीवंत वृक्ष को बचाया जा सकता है, तो यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पेड़ केवल ऑक्सीजन नहीं देते, वे हमारी संस्कृति, आस्था और भविष्य के रक्षक हैं। एक वृक्ष को बचाना, आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित करना है।

समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण- आज जहाँ विकास के नाम पर हर तरफ अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे हैं, वहीं हर्षवर्धन शर्मा की यह पहल समाज की आँखें खोलने वाली है। यह इस बात का सबूत है कि अगर इच्छाशक्ति हो, तो विकास और पर्यावरण दोनों साथ-साथ चल सकते हैं।

प्रेरक संदेश- जिस समाज में प्रकृति का सम्मान होता है, वहाँ समृद्धि और खुशहाली स्वतः आती है। आइए, विकास के साथ-साथ पर्यावरण का भी संरक्षण करें, क्योंकि पेड़ बचेंगे तभी हमारा कल बचेगा।

कलेक्टर ने पौधरोपण कर किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए किया प्रेरित

सिवनी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने शुक्रवार को शासकीय जैविक कृषि प्रक्षेत्र भोमा कटिया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर हरित एवं जल-संरक्षित भविष्य का संदेश दिया। साथ ही प्रक्षेत्र में संचालित बीज उत्पादन कार्यक्रम, जैविक कृषि गतिविधियों एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न कार्यों का अवलोकन कर उनकी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। पौधरोपण के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती मीना ने उपस्थित कृषकों को पौधे भेंट किए तथा उन्हें अपने खेतों, मेड़ों एवं आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनके संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का जनआंदोलन है। उन्होंने किसानों से पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने प्रक्षेत्र में संचालित बीज उत्पादन कार्यक्रम की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, बीज शुद्धता बनाए रखने, उत्पादन तकनीक एवं किसानों तक प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज एवं आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ मिले।

कुम्हार नाका पर पुलिस का बड़ा एक्शन, शराब से भरी पिकअप जब्त

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ रविवार शाम आलोट थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए शराब से भरी एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस को देखकर तस्कर कुम्हार नाका चौराहे पर बीच सड़क वाहन छोड़कर भाग निकले। हालांकि पुलिस की त्वरित घेराबंदी में एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 7~20 बजे पुलिस को संदिग्ध पिकअप वाहन में अवैध शराब परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आलोट थाना पुलिस सक्रिय हुई और नगर के प्रमुख मार्गों पर घेराबंदी शुरू कर दी। इसी दौरान कुम्हार नाका क्षेत्र में पुलिस टीम को देखकर वाहन में सवार आरोपी घबरा गए और पिकअप सड़क के बीचों-बीच खड़ी कर भागने लगे। पुलिस जवानों ने तुरंत पीछा किया और एक आरोपी को दबोच लिया। पुलिस द्वारा पिकअप वाहन की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में बियर एवं देसी प्लेन सफेद शराब के क्वार्टर पेटियों में भरे मिले। बताया जा रहा है कि पूरी पिकअप शराब की पेटियों से ठसाठस भरी हुई थी। कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और इतनी बड़ी मात्रा में शराब बरामद होने की चर्चा देर रात तक होती रही। पकड़े गए आरोपी और जब्त वाहन को आलोट थाने लाया गया है। पुलिस आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। साथ ही फरार साथियों और पूरे सप्लाई नेटवर्क की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस ने मामले में आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देने की तैयारी की जा रही है। थाना पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

हम सभी पौधारोपण कर उसे सुरक्षित रखने के दायित्व का निर्वहन करें

सुंदराबाद में व्यापक पौधारोपण कर लिया गया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हरियाली से खुशहाली के पावन भाव को लेकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुंदराबाद द्वारा आईडीबीआई बैंक शाखा बड़नगर के सहयोग से मुक्तिधाम परिसर एवं सरस्वती शिशु मंदिर परिसर सुंदराबाद में व्यापक पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ज्ञान की देवी मां सरस्वती का पूजन अर्चन हुआ।

अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग ने की। फलदार व छायादार पौधों का रोपण हो इसके पूर्व भूमि एवं पौधों का पूजन मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्री श्यामसुंदर पंड्या एवम आई डी बी आई बैंक शाखा प्रबंधक श्री प्रियांक ठाकर के करकमलों से किया गया। विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए, इस अवसर पर उप सरपंच यदुराज यादव, मनोहर सिंह राठौर, सरस्वती शिशु मंदिर संयोजक सुभाषचंद्र अवस्थी, प्रधानाचार्य सत्यनारायण चक्रधारी, शंकरलाल अवस्थी, लक्ष्मीकांत पंड्या, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या, हर्षित पंड्या ग्राम पंचायत सचिव धर्मेंद्र बैरागी, विपिन पंड्या, श्रवणसिंह पवार, महेंद्रसिंह डाबी, शंकरलाल परमार आदि उपस्थित रहे। बैंक शाखा प्रबंधक श्री ठाकर ने कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण कर हम पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं, पौधारोपण आज की महती आवश्यकता है। हम पौधारोपण कर उसे सुरक्षित रख अपने दायित्व का निर्वहन करें। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच ज्योति पंड्या की ओर से बैंक शाखा प्रबंधक का पुष्प माला दुपट्टा ओडाकर स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया गया। प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या ने आभार व्यक्त किया।

आज भारत 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है- तुलसीराम सिलावट

125वीं जयंती वर्ष पर भाजपा का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को बदनावर में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट मुख्य वक्ता रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती धार विधायक नीना विक्रम वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव तथा नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यकर्ता सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला व मुखर्जी के बारे में बताया।

मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रवाद, अखंड भारत, संगठन और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया तथा उनका जीवन आज भी प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी डॉ. मुखर्जी के आदर्शों और विचारों को लेकर निरंतर आगे बढ़ रही है।

सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाना डॉ. मुखर्जी के संकल्प को साकार करने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। आज भारत एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की प्रमुख शक्तियों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है और वैश्विक मंचों पर देश की बात सम्मान के साथ सुनी जाती है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत तथा किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। केंद्र और मध्यप्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति कार्यकर्ता हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प ले। भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पटल पर भारत की शक्ति और प्रतिष्ठा लगातार बढ़ी है। उन्होंने नई सोच, नए संकल्प और नए आत्मविश्वास के साथ देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और देश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। धार विधायक नीना विक्रम वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव सहित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

मंचासीन अतिथियों में पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया एवं मुकामसिंह निगवाल, डॉ. प्रहलाद सिंह सोलंकी,पूर्व राज्यमंत्री महेन्द्र सिंह पिपलीपाडा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रविन्द्र पाटीदार, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश चौहान, भाजपा जिला महामंत्री राकेश पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार, सुनील मोदी, महेश रावला एवं राखी राय, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, मोहित तांतेड़, मनीष प्रधान, कमल वर्मा, प्रवीण चावला, गायत्री पुरोहित तथा सोनू रघुवंशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने किया। आभार नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा व सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

कलेक्टर नेहा मीना ने उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सिवनी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले के किसानों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जाएगा। इसके लिए जिले में पंजीकृत कृषकों एवं पंजीकृत रकबे के आधार पर तीन उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से उपार्जन की समस्त व्यवस्थाएं की गई हैं।

जल संरक्षण जनआंदोलन बने, हर खेत में तालाब और हर घर में वर्षा जल संचयन हो - विधायक

सिवनी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के जिला स्तरीय समापन कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को मानस भवन, सिवनी में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। अभियान के दौरान जिले में जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, पौधरोपण तथा जनजागरूकता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी साझा की गई तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री दिनेश राय ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया है। आज आवश्यकता केवल जल बचाने की नहीं, बल्कि उसे धरती के भीतर पहुंचाकर भविष्य को सुरक्षित बनाने की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान अपनी कृषि भूमि में छोटा खेत तालाब अवश्य बनाए, जिससे वर्षा जल का अधिकतम उपयोग हो सके और भूजल स्तर में सुधार आए। उन्होंने नागरिकों से पौधों के संरक्षक बनने, अधिकाधिक पौधरोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। विधायक श्री राय ने विशेष रूप से नगरीय क्षेत्रों में प्रत्येक घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि यदि आज हम वर्षा जल का संरक्षण करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

चरित्र की गहराई और विचारों की शुद्धता ही इंसान की असली पूंजी- सुश्री फरीदा बोहरा

प्रताप विद्या निकेतन में विदाई समारोह संपन्न, 40 वर्षों की बेदाग सेवा के बाद बोहरा को संचालक मंडल में किया शामिल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महानता की असली पहचान इंसान के गुणों से होती है, न कि उसके बड़े होने से। तालाब आकार में बड़ा होकर भी किसी की प्यास नहीं बुझा पाता, जबकि एक छोटा सा कुआं लोगों को जीवन देता है। ठीक इसी तरह, इंसान की पहचान उसके ऊंचे कद से नहीं, बल्कि उसके चरित्र की गहराई और विचारों की शुद्धता से होती है।÷

?यह भावुक और प्रेरक विचार सुश्री फरीदा बोहरा ने प्रताप विद्या निकेतन में आयोजित अपने सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान व्यक्त किए। विद्यालय में अपनी 40 वर्षों की अभूतपूर्व सेवा, संघर्ष और समर्पण को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 14 अगस्त 1985 से शुरू हुआ उनका यह सफर आज उनके जीवन की सबसे अमूल्य पूंजी है। उन्होंने नम आंखों से विद्यालय की स्थापना के शुरुआती दिनों को याद किया और छात्रों, सहयोगी शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन तथा वर्तमान नवनियुक्त प्राचार्या श्रीमती पूर्वी सिंह राठौर को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया। उनके इस बौद्धिक और भावुक उद्बोधन ने समारोह में मौजूद हर आंख को नम कर दिया।

समारोह के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा अत्यंत आकर्षक और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने समां बांध दिया। सुश्री फरीदा बोहरा के अद्वितीय योगदान को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें संस्थान के संचालक मंडल में शामिल करने की घोषणा की गई, जिसका उपस्थित जनसमुदाय ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवनारायण गुजराती, नई दुनिया के सहायक संपादक प्रदीप दीक्षित एवं आज तक के संवाददाता हरीश पवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल संचालक जीपी सिंह राठौर ने की।

इस अवसर पर परीतोष सिंह राठौर (बंजी बना), पूर्व छात्र व शिक्षक लक्ष्मण सिंह पवार, पोपसिंह राठौर (पप्पी बना), मनीष शर्मा, सोहन लाल पाटीदार, महिपाल सिंह सोनगरा, भूपेंद्र सिंह जादौन, ओ.एस. काजी, टीकम सिंह डोडिया, अजय सर, भानु प्रताप सिंह और विवेक पवार ने भी सुश्री बोहरा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण अभिषेक सिंह राठौर (टिन्कू बना) द्वारा दिया गया। इसके पश्चात एडवोकेट हर्षवर्धन सिंह राठौर ने फरीदा जी के सम्मान में अभिनंदन पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन राम श्रीवास्तव ने किया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव द्वारा व्यक्त किया गया। इस गरिमामयी समारोह में स्कूल के छात्र-छात्राएं, नगर के गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ पत्रकार और प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ढाबे पर विवाद के बाद युवक से मारपीट, इलाज के दौरान मौत, पिता ने पुलिस से की न्याय की मांग

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम भुवानिखेड़ा के एक युवक की मारपीट के बाद इलाज के दौरान मौत होने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना के संबंध में मृतक के पिता ने बदनावर थाने में आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम भुवानिखेड़ा निवासी फरियादी केशुराम पंवार ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उनका पुत्र मुकेश पंवार गत 23 जून 2026 की रात को खेत पर काम कर रहा था। वहां से वह अपने मित्रों के साथ खाना खाने के लिए ढोकल्यापाडा के पास स्थित एक ढाबे पर गया था। ढाबे पर उधारी की बात को लेकर मुकेश का ढाबा संचालक से विवाद और धक्का-मुक्की हुई थी। विवाद के बाद जब मुकेश अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से वापस भुवानिखेड़ा लौट रहा था, तभी ढाबे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर रास्ते में कुछ अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया और उसके साथ गंभीर मारपीट की। घटना की जानकारी मुकेश के मित्रों ने परिजनों को दी।

गंभीर रूप से घायल मुकेश को उसके परिजन तुरंत बदनावर अस्पताल ले गए। वहां जल्दबाजी और अज्ञानतावश परिजनों ने डॉक्टर को बताया कि मुकेश सीढ़ी से गिर गया है, ताकि उसका इलाज तुरंत शुरू हो सके। स्थिति गंभीर होने पर उसे रतलाम रेफर किया गया। चोटें इतनी गंभीर थीं कि मुकेश कुछ बोल भी नहीं पा रहा था और आखिरकार उसकी मृत्यु हो गई। फरियादी केशुराम ने ढाबा संचालक जीतू मेड़ा सहित रमेश भील, गुड्डा भील और भीमा भील पर घटना को अंजाम देने का पूरा संदेह जताया है। पुलिस ने 5 जुलाई 2026 को आवेदन स्वीकार कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बारिश के मौसम में विद्युत सुरक्षा को लेकर बिजली विभाग ने जारी की एडवाइजरी

पांढुरना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री नीरज कुमार वशिष्ठ के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, उपसंभाग पांढुर्णा द्वारा लगातार हो रही बारिश, तेज आंधी एवं तूफानी मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आम नागरिकों एवं विद्युत उपभोक्ताओं से विद्युत सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की गई है। बिजली विभाग ने बताया है कि वर्षा ऋतु के दौरान थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर विद्युत दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए नागरिक बारिश के समय गीले हाथों अथवा नंगे पैर किसी भी विद्युत उपकरण, स्विच बोर्ड, तार या केबल को न छुएं। साथ ही जलभराव वाले स्थानों पर रखे विद्युत उपकरणों का उपयोग करने से भी बचें।

विभाग ने सलाह दी है कि यदि किसी मकान की छत अथवा दीवारों से पानी का रिसाव हो रहा हो, घर की विद्युत वायरिंग पुरानी हो या अर्थिंग की व्यवस्था संतोषजनक न हो, तो तत्काल किसी प्रमाणित इलेक्ट्रिशियन से उसकी जांच एवं आवश्यक सुधार कार्य कराया जाए।

बिजली विभाग ने नागरिकों से कटे-फटे अथवा टूटे हुए विद्युत तारों एवं केबलों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया है।

भाजपा की वृहद कामकाजी बैठक संपन्न, बूथों को मजबूत करने का दिया गया मंत्र

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी गोलाना मंडल की वृहद कामकाजी मंडल स्तरीय मासिक बैठक रविवार को गोलाना स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शिव वर्मा, गोपाल प्रसाद तिवारी, प्रह्लाद सिंह परमार, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह जादौन, गोलाना मंडल प्रभारी नरेंद्र यादव, अकोदिया मंडल प्रभारी सूरज सिंह सिसोदिया, मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोवा तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता कमल मालवीय जिला मंत्री चंदा वर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात मंडल स्तरीय पदाधिकारियों एवं बूथ अध्यक्षों द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए अकोदिया मंडल प्रभारी सूरज सिंह सिसोदिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का डिजिटल अभियान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को डिजिटल रूप से सक्रिय रहकर संगठन की गतिविधियों से स्वयं को अपडेट रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा में समर्पित कार्यकर्ता के लिए आगे बढ़ने के अवसर हमेशा खुले रहते हैं और एक साधारण कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत के बल पर सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है।

गोलाना मंडल प्रभारी नरेंद्र यादव ने कहा कि पार्टी द्वारा डिजिटल ऐप के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी और प्रोसिडिंग अपडेट करने का अभियान चलाया जा रहा है। सभी कार्यकर्ताओं को इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेकर संगठन को मजबूत बनाना चाहिए।

मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोवा ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सुजालपुर में आयोजित होने वाले विधानसभा स्तरीय कार्यक्रम में मंडल के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

बैठक के दौरान संगठनात्मक अनुशासन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया गया। तय किया गया कि यदि कोई बूथ अध्यक्ष या पदाधिकारी मंडल बैठक में अनुपस्थित रहता है तो उसे पूर्व में कारण सहित आवेदन देना होगा। लगातार तीन बैठकों में बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों को पद से हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में भाजपा नेता करतार सिंह ठाकुर, मंडल महामंत्री भोजराज सिंह मेवाड़ा, मांगीलाल सूर्यवंशी, मंडल उपाध्यक्ष भादर सिंह मेवाड़ा, दीवान सिंह मेवाड़ा, धर्म सिंह परमार, चेतन सिंह, सरपंच हेमराज सिंह राजपूत सहित गोलाना मंडल के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय रक्तदाता महाकुंभ, बिहार में सम्मानित हुए मंदसौर के दोहरे शतकवीर रक्तदाता डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बिहार के जिला रोहतास में स्थापित गोपाल नारायण सिंह यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय रक्तदाता महाकुंभ 2.0 कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मेजबान बिहार की राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी एवं पथ प्रदर्शक संस्था के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले और संस्था के माध्यम से आमजन को रक्तदान के लिए जाग्रत करने का कार्य करने वाले भारत के 24 राज्यों से तकरीबन 120 प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। इसी तारतम्य में भारत के दो समीपवर्ती देश नेपाल और भूटान के प्रतिनिधि मंडल को भी सम्मिलित किया गया। कार्यशाला में देश भर से अर्धशतकीय, शतकवीर और दोहरे शतकवीर रक्तदाताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जिससे समाज में फैली रक्तदान के प्रति भ्रांति को दूर किया जा सके और यह बताया जा सके कि रक्तदान से किसी की जान नहीं जाती बल्कि और स्वस्थ्य होकर जीवन सकारात्मक तरीके से जिया जाता है। कार्यशाला में डॉ यजुर्वेदी ने भी ÷रक्तदान का महत्व और युवाओ में इसकी जागरूकता÷ विषय पर सदन में अपना उद्बोधन दिया। उल्लेखनीय है कि डॉ हिमांशु यजुर्वेदी पूर्व में भी वर्ष 2019 एवं 2023 में बीकानेर, राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता कर चुके है, यह उनका तीसरा अवसर है कि बिहार में उनको आमंत्रित किया गया है। कार्यशाला के समापन पर बिपिन कुमार चौधरी, डायरेक्टर सीआईडी, बिहार के द्वारा अब तक 64 बार स्वैच्छिक रक्तदान करने एवं युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए सम्मानित किया गया।

माता-पिता की स्मृति में सरकारी शिक्षक का 13 वर्ष से नवाचार, धुंधड़का स्कूल में शैक्षणिक सामग्री एवं चरण पादुका वितरित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय धुंधड़का में बाल सभा का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें माता सरस्वती का पूजन कर बाल सभा आयोजित की गई। प्रारंभ में कक्षा 1 से 5 तक सभी छात्राओं द्वारा कविता कहानी, देश भक्ति गीत तथा नुकड़ नाटक का मंचन किया। इस अवसर पर नवाचारी शिक्षक मनीष पारिख द्वारा लगातार विगत 13 वर्षा से नन्हे-मुन्हे छात्र - छात्राओं कों शैक्षणिक समाग्री का वितरण किया जाता है। बाल सभा समाप्ती पर श्री पारिख द्वारा नन्ही छात्राओं को बाल पोथी, पानी की बोटल, कलर पेन्सिल, रबन, शापनर आदि का वितरण किया गया। श्री पारिख ने कहा कि रक्त दान एवं शैक्षणिक सामाग्री का दान सर्वातम दान है।

विदित हो कि श्री पारिख द्वारा अपने माता -पिता की स्मृति में कक्षा 5वी में प्रथम आने वाली छात्रा को एक सायकिल, कक्षा 3 व 4 में प्रथम आने वाली छात्रा का डिजिटल घड़ी तथा कक्षा 1 एवं 2 में प्रथम आने वाली छात्रा को स्कूल बैग वितरित किये जाएगे। पूर्व में भी शाला में एलईडी टीवी तथा फर्नीचर तथा शैक्षणिक सामग्री भेट की गई। प्रभारी प्रधान अध्यापक विनोद पाटीदार ने कहा की छात्राएं शेक्षणिक सामाग्री पाकर प्रसन्न है। गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट मंदसौर द्वारा 25 छात्राओं को चरण पादुकाएं शुज दिये गये, जो सराहनीय है। लगातार शाला में नामाकंन बढ़ रहा है। शासन द्वारा प्राप्त पुस्तके वितरित की गई है। अन्य सामाजिक संगठन दान -दाता शाला में उपयोगी समाग्री आदि वितरण के लिए आमंत्रित है। यह जानकारी प्राथमिक शिक्षक मनीष पारिख ने दी।

मिशन नींव के तहत पोषण भी पढ़ाई भी अभियान आयोजित आंगनवाड़ी केंद्र में हुआ पौधारोपण

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। उज्जैन के खाचरोद में महिला एवं बाल विकास विभाग के नेतृत्व मे संचालित मिशन नींव कार्यकर्त्ता के अंतर्गत पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत शनिवार को खाचरोद शहर के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-05 में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी व परियोजना अधिकारी मनोज जाट के नेतृत्व मे मिशन नीव के जिला समनव्यक लोकेंद्रसिंह तंवर ने बच्चों के शालापूर्व प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया इस अवसर पर बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए खेल-आधारित शिक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहित किया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आंगनवाड़ी परिसर में पौधारोपण भी किया गया कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मधुबाला मेहता एवं सहायिका आशा परमार की सक्रिय सहभागिता रही उन्होंने बच्चों एवं अभिभावकों को संतुलित पोषण प्रारंभिक शिक्षा और स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जानकारी भी दी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को अधिक सशक्त बनाना बच्चों को बेहतर पोषण एवं गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

आष्टा में कोटवार दल को मिलेगा पुलिस फोर्स जैसा प्रशिक्षण, कानून व्यवस्था में निभाएगा सक्रिय दायित्व

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर जिले की आष्टा तहसील में ग्रामीण प्रशासन और कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल की जा रही है। आष्टा तहसील के कोटवारों को संगठित कर उन्हें पुलिस बल की तर्ज पर प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे प्रशासन और पुलिस का प्रभावी सहयोग कर सकें। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने, आपात परिस्थितियों में त्वरित सहयोग उपलब्ध कराने तथा विभिन्न प्रशासनिक गतिविधियों को अधिक सुव्यवस्थित बनाना है।

आष्टा तहसीलदार श्री रामलाल पगारे के मार्गदर्शन में कोटवार दल को अनुशासन, टीम भावना, सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें परेड, अनुशासित संचालन, भीड़ प्रबंधन, प्रशासनिक सहयोग, आपदा की स्थिति में प्राथमिक प्रतिक्रिया तथा विभिन्न परिस्थितियों में जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने की जानकारी दी जा रही है।

ग्वालियर जिले में भी होगी बूझो जानो, फिर देखो अपना प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले के शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई एवं अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा 7 अगस्त 2026 को बूझो जानो, फिर देखो अपना प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता-2026 आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा एवं पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता और रुचि विकसित करना है। प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीयन 25 जुलाई 2026 तक किए जा सकेंगे। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा वर्ष 2016 से इस प्रतियोगिता का नियमित आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के तत्वावधान में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, ग्वालियर तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से होगा। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण 7 अगस्त को जिला स्तर पर होगा। जिला स्तर पर चयनित टीमें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। प्रत्येक जिले की प्रथम तीन विजेता टीमों को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के होटलों में दो रात्रि एवं तीन दिवस के निःशुल्क पर्यटन भ्रमण का कूपन प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा अगली तीन उपविजेता टीमों को एक रात्रि एवं दो दिवस के निःशुल्क पर्यटन भ्रमण का कूपन दिया जाएगा। इन कूपनों के अंतर्गत विद्यार्थियों के आवागमन, आवास, भोजन एवं स्थानीय भ्रमण का संपूर्ण व्यय मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा वहन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से साकार हुआ युवा उद्यमी का सपना

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी योजना का लाभ लेकर झाबुआ जिले की तहसील थांदला के युवा उद्यमी श्री केवल तलेरा ने अपने सपनों को साकार करते हुए तलेरा गैस एंड होम अप्लाईन्सेस व्यवसाय की सफल स्थापना की है। योजना के अंतर्गत उन्हें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ए.डी.बी. शाखा थांदला द्वारा 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया, जिससे उनके उद्यम की मजबूत नींव रखी जा सकी।

श्री केवल तलेरा ने बताया कि व्यवसाय प्रारंभ करने से पूर्व सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण स्वयं का उद्यम स्थापित करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। वे लंबे समय से घरेलू उपकरणों के विक्रय एवं सेवा क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का सपना देख रहे थे, लेकिन पर्याप्त पूंजी के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रहा था। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने योजना के अंतर्गत आवेदन किया और स्वीकृत ऋण राशि प्राप्त होने पर अपने सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया।

जैन सोशल ग्रुप ने श्रावक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश जैन का किया सम्मान

धर्मेन्द्र बम, श्रेणीक बम, अमित बम एवं प्रशांत नाहर के नेतृत्व में हुआ बहुमान, प्रवर्तक मुनि प्रकाश मुनि का मिला मंगल आशीर्वाद

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परम पूज्य प्रवर्तक मुनि श्री प्रकाश मुनि के पावन सान्निध्य में जैन सोशल ग्रुप, नागदा द्वारा श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश जैन (सांवेर वाले) का भव्य बहुमान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम, श्रेणीक बम, अमित बम एवं सचिव प्रशांत नाहर ने किया। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों एवं जैन सोशल ग्रुप के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम एवं सचिव प्रशांत नाहर ने बताया कि सतीश जैन लंबे समय से जैन सोशल ग्रुप से जुड़े हुए हैं तथा वरिष्ठ परामर्शदाता के रूप में संगठन को निरंतर मार्गदर्शन एवं सक्रिय सेवाएं प्रदान करते रहे हैं। सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उनका श्रावक संघ के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होना पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है।

अपने मंगल प्रवचन में प्रवर्तक मुनि श्री प्रकाश मुनि ने सतीश जैन के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे जीवदया, मानव सेवा एवं धार्मिक कार्यों के प्रति सदैव समर्पित रहे हैं। उनके नेतृत्व में श्रावक संघ समाजहित, धर्मप्रभावना एवं सेवा के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सतीश जैन अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए समाज को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।

समारोह में राजेन्द्र कांठेड़, दिलीप कांठेड़, श्रेणीक बम, मुकेश धोका, संजय मुरडिया, अमित बम, रवि संघवी, चंद्रप्रकाश कांठेड़, अशोक कोलन, नितिन जैन (बुडावन वाले), अनिल पावेचा, नवीन तरवेचा सहित जैन सोशल ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश जैन का अभिनंदन करते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अध्याय-21 के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षर नागरिकों को साक्षर बनाने के उद्देश्य से संचालित उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डाईट कल्याणपुरा में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वर्ष 2027 तक झाबुआ जिले को पूर्ण साक्षर बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रभावी कार्ययोजना, व्यवस्थित क्रियान्वयन, नवाचार, नियमित अनुश्रवण एवं जनसहभागिता सुनिश्चित करने संबंधी विषयों पर विस्तारपूर्वक मंथन किया गया।

यह प्रशिक्षण राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के नियंत्रक श्री राकेश दुबे द्वारा दिनांक 22 एवं 23 जून 2026 को आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी संचालन, निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति तथा गुणवत्ता आधारित क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया।

प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए सर्वे कार्य में झाबुआ जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक संकुल में दो-दो सामाजिक चेतना केन्द्रों को मॉडल सामाजिक चेतना केन्द्र के रूप में विकसित करने, नियमित रूप से साक्षरता कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने तथा सतत अनुश्रवण के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी साक्षरता परीक्षा में लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक शिक्षार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक विकासखंड से 50-50 शिक्षार्थियों को कक्षा पांचवीं समकक्ष परीक्षा में सम्मिलित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए विभिन्न स्तरों पर किए जा रहे प्रयासों तथा अनुश्रवण व्यवस्था की जानकारी भी साझा की गई।

झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए प्रशिक्षण में कहा गया कि किसी भी असाक्षर व्यक्ति को अशिक्षित नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि उनके पास जीवन, परिवार, समाज एवं व्यवहारिक अनुभवों का समृद्ध ज्ञान होता है। इसलिए साक्षरता अभियान के दौरान केवल अक्षर ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहकर शिक्षार्थियों के अनुभवों, जीवन मूल्यों एवं सामाजिक समझ का सम्मान करते हुए उनसे आत्मीय एवं सार्थक संवाद स्थापित किया जाना आवश्यक है। प्रशिक्षण में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शिक्षण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व शिक्षार्थियों के अनुभवों एवं ज्ञान को समझते हुए शिक्षण प्रक्रिया को अधिक सहभागी, व्यवहारिक एवं प्रभावी बनाया जाए।

प्रशिक्षण में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के स्वयं सहायता समूहों को पूर्ण साक्षर बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। आगामी साक्षरता परीक्षा में अधिक से अधिक महिला सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक स्वयं सहायता समूह से एक अक्षर साथी का पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए गए।

स्कूल शिक्षा विभाग ने 5,017 नव-नियुक्त शिक्षकों को जारी किए नियुक्ति आदेश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूल शिक्षा विभाग ने 5,017 नव-नियुक्त शिक्षकों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए हैं। इनमें माध्यमिक शिक्षक (हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान), माध्यमिक शिक्षक (खेल), माध्यमिक शिक्षक (गायन-वादन) के कुल 4067 एवं प्राथमिक शिक्षक (खेल, नृत्य एवं गायन-वादन) के पदों पर 950 अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई है। विभाग द्वारा ये नियुक्ति आदेश 3 एवं 4 जुलाई को जारी किए गए हैं।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को नव-नियुक्त शिक्षक बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि चयनित अभ्यर्थियों की मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिणाम है। सभी नव-नियुक्त शिक्षक अपने ज्ञान, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली के माध्यम से प्रदेश के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे तथा शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शिक्षकों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और समाज के भविष्य को दिशा देने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं।

फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026, प्राकृतिक आपदाओं, कीट एवं रोगों से सुरक्षा हेतु किसान अवश्य कराएं फसल बीमा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए प्राकृतिक आपदाओं, कीट एवं रोगों से अधिसूचित फसलों को होने वाले नुकसान की स्थिति में किसानों को बीमा सुरक्षा एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक 01 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक जिले में कृषि विभाग एवं फसल बीमा कंपनी द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा उन्हें अपनी फसलों का बीमा करवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान की स्थिति में उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा सके।

जागरूकता शिविरों के दौरान किसान भाइयों को फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग, ई-विकास प्रणाली के माध्यम से ई-टोकन जनरेशन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने, अंतरवर्ती खेती को प्रोत्साहित करने, अल-नीनो (सूखा) जैसी परिस्थितियों से राहत प्राप्त करने हेतु कम अवधि वाली फसल किस्मों के उपयोग, फसल में नमी संरक्षण के लिए डोरा चलाने तथा खरपतवार नियंत्रण के उपायों की जानकारी भी दी जा रही है।

शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2026 के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी किसान भाइयों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि के पूर्व अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं, जिससे प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई कर आर्थिक जोखिमों से बचा जा सके।

किसान फसल बीमा कहां करवाएं

जो कृषक किसी भी कारणवश फसल ऋण नहीं ले रहे हैं, वे अपनी फसल का बीमा अपने क्षेत्र की राष्ट्रीयकृत बैंक शाखाओं, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखाओं से संपर्क कर आवश्यक प्रीमियम राशि का भुगतान करवा सकते हैं। वहीं ऋणी कृषकों का फसल बीमा फसल ऋण प्राप्त करते समय बैंक द्वारा स्वतः कराया जाएगा। हालांकि, किसान योजना से बाहर होने का विकल्प बीमांकन की अंतिम तिथि से सात दिवस पूर्व तक चुन सकते हैं।

योजनान्तर्गत आच्छादित परिस्थितियां - प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत ओलावृष्टि, पाला, तूफान, बाढ़, जल प्लावन, सूखा, कीट एवं रोग प्रकोप, आकाशीय बिजली सहित विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति को शामिल किया गया है। कीट-व्याधियों के कारण फसल नुकसान होने पर भी योजना का लाभ किसानों को प्राप्त होगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

काल भैरव मंदिर में 45 दिन में 3 करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड आय

महाकाल के बाद सबसे ज्यादा श्रद्धालु यहीं- 500 रुपए की शीघ्र दर्शन व्यवस्था बनी बड़ी आय का स्रोत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में भगवान महाकालेश्वर के बाद यदि किसी मंदिर में सबसे अधिक श्रद्धालु उमड़ रहे हैं तो वह है भगवान काल भैरव का मंदिर। लगातार बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए शुरू की गई 500 की शीघ्र दर्शन व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा माध्यम बन गई है। केवल 20 मई से 3 जुलाई तक यानी करीब 45 दिनों में इस व्यवस्था से मंदिर को 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपए की आय प्राप्त हुई है।

मंदिर प्रबंधक संध्या मार्कंडेय के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ के बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से शीघ्र दर्शन व्यवस्था लागू की गई थी। इसके तहत श्रद्धालुओं को अलग प्रवेश मार्ग से दर्शन कराए जाते हैं, जिससे सामान्य दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्था प्रभावित नहीं होती और दोनों व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि सामान्य दिनों में वीआईपी टिकटों से प्रतिदिन करीब 4 से 5 लाख रुपए की आय होती है। वहीं शनिवार, रविवार अथवा विशेष अवसरों पर जब श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ जाती है, तब यह आय 10 से 11 लाख रुपए प्रतिदिन तक पहुंच जाती है। आय पूरी तरह श्रद्धालुओं की संख्या पर निर्भर करती है। हालांकि मंदिर परिसर की सीमित क्षमता के कारण हर श्रद्धालु को वीआईपी टिकट उपलब्ध कराना संभव नहीं हो पाता। भीड़ अधिक होने पर कई बार आधे-आधे घंटे के लिए टिकट वितरण रोकना पड़ता है, ताकि मंदिर परिसर में धक्का-मुक्की या अव्यवस्था की स्थिति न बने। अत्यधिक भीड़ वाले दिनों में कई बार शीघ्र दर्शन टिकटों का वितरण पूरी तरह बंद भी करना पड़ता है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार शनिवार, रविवार, मुहर्रम सहित अन्य अवकाश के दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। पहले ऐसे दिनों में भी वीआईपी टिकट जारी किए जाते थे, लेकिन अब सुरक्षा और व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए आवश्यकता पड़ने पर टिकट वितरण रोकने का निर्णय लिया जाता है। गौरतलब है कि 20 मई से 3 जुलाई के बीच प्राप्त 3.09 करोड़ रुपए की आय में वे दिन शामिल नहीं हैं, जब भीड़ के कारण VIP टिकटों का वितरण पूरी तरह बंद रखा गया था। इसके बावजूद इतनी बड़ी आय यह दर्शाती है कि काल भैरव मंदिर में शीघ्र दर्शन व्यवस्था को श्रद्धालुओं का व्यापक समर्थन मिल रहा है।

काल भैरव मंदिर में वीआईपी दर्शन एक नजर में

अवधि- 20 मई से 3 जुलाई (करीब 45 दिन)
VIP टिकट शुल्क- 500 प्रति श्रद्धालु
कुल आय- 3.09 करोड़
सामान्य दिनों की आय- 4-5 लाख प्रतिदिन
भीड़ वाले दिनों की आय- 10-11 लाख प्रतिदिन
महाकाल मंदिर के बाद सर्वाधिक श्रद्धालु- काल भैरव मंदिर
भीड़ बढ़ने पर- टिकट वितरण अस्थायी या पूर्ण रूप से रोकना पड़ता है
उद्देश्य- श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और भीड़ का बेहतर प्रबंधन

सुसाइड नोट में थे पत्नी-सास के नाम, पुलिस ने दर्ज किया केस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी के चार माह बाद यूपीएससी की तैयारी कर रहे युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। फंदा गले में डालने से पहले 8 से 10 पेज का सुसाइड नोट लिखा था। पुलिस ने जांच के बाद मामले में पत्नी सास और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आगर जिले के नलखेड़ा में रहने वाला राहुल पिता रामकरण सूर्यवंशी 27 साल उज्जैन के नागझरी स्थित न्यू इंदिरा नगर में किराए का मकान लेकर यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। 10 फरवरी 2026 को उसकी मन्नत उर्फ कविता से शादी हुई थी। 16 जून 2026 को दोस्त घर पहुंचा तो राहुल ने दरवाजा नहीं खोला। खिड़की से देखने पर राहुल फंदे पर लटका दिखाई दिया। दोस्त सुभाष ने पुलिस को सूचना दी और खिड़की तोड़कर फंदे शव को नीचे उतारा। पुलिस जांच में राहुल के कमरे से 8 से 10 पेज का सुसाइड नोट मिला था। नागझिरी पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद जांच शुरू की थी। 17 दिन की जांच के बाद पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है। सुसाइड नोट में मृतक राहुल ने अपनी शादी के 4 माह की पूरी दास्ता लिखी थी। जिसमें अपनी पत्नी कविता उर्फ मन्नत के सास सिद्धिका कामरिया पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे वही सास के परिचित पर भी उसकी हत्या की साजिश रचने का उल्लेख सुसाइड नोट में किया था। सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

भादवा माता का प्रसाद देने पहुंचे वृद्ध को लगा करंट, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। परिचित के यहां भादवा माता का प्रसाद देने पहुंचे वृद्ध को करंट लग गया। उन्हें उपचार के लिए उज्जैन लाया गया लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है।

कायथा में रहने वाले 60 वर्षीय चंद्रशेखर पिता श्याम राव निगम भादवा माता गए थे जहां से लौट के बाद ग्राम भैरूपुरा में रहने वाले परिचित सेवाराम अंजना के यहां भादवा माता का प्रसाद देने के लिए बबलू पटेल के साथ पहुंचे थे। प्रसाद देने के बाद वापस लौटते समय सेवाराम अंजना के घर से बाहर आए और वहां लगा छू लिया। जिसमें बिजली के खुले तार लगते थे करंट लगने से चंद्रशेखर खंभे से चिपक गए। बबलू पटेल और सेवाराम अंजना ने इलेक्ट्रिक लाइन बंद कर उन्हें खंबे से अलग किया और उपचार के लिए उज्जैन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन वृद्ध चंद्रशेखर की मौत हो चुकी थी। सुबह पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों ने बताया कि चंद्रशेखर गांव की सोसाइटी में सेल्समैन का काम करते थे उन्होंने अपनी जमीन बताई पर बबलू पटेल को दे रखी थी वह दो बच्चों के पिता थे। स्थानीय पुलिस मामले की जांच करता थाना पुलिस को भेजेगी।

अहमदाबाद बम ब्लास्ट का आतंकी पहुंच उज्जैन

उज्जैन। 17 साल पहले अहमदाबाद में हुए सीरियल बम ब्लास्ट का आतंकी बीती रात कड़ी सुरक्षा में उज्जैन पहुंचा। सोमवार सुबह उसे फिर से अहमदाबाद ले जाया जाएगा। बेगमबाग क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से पुख्ता रखी गई है। वर्ष 2008 में अहमदाबाद में सीरियल बम ब्लास्ट हुए थे। स्पेशल टॉक्स फोर्स की टीम ने देश भर से आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था कुछ आतंकी उज्जैन के भी शामिल थे करीब 49 से अधिक आतंकियों को सजा हुई है। उज्जैन के भी दो आतंकवादी अहमदाबाद की साबरमती जेल में सजा काट रहे हैं। शनिवार रात एक आतंकी अबरार पिता बाबू खान को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उज्जैन लाया गया है। अबरार बेगम बाग क्षेत्र का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि रविवार को उसकी बेटी का निकला था जिसमें शामिल होने के लिए वह उज्जैन पहुंच है अहमदाबाद की पुलिस उसे कड़ी सुरक्षा में लेकर आई है रविवार शाम बेटी का निकाह हुआ है सोमवार सुबह 6 बजे आतंकी को वापस अहमदाबाद ले जाया जाएगा। आतंकी पर नजर रखने के लिए महाकाल थाना और पुलिस लाइन का बाल भी बेगम बाग क्षेत्र में तैनात थे।

तबीयत बिगड़ने के बाद होमगार्ड सैनिक की मौत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होमगार्ड डिविजनल कार्यालय में तैनात सैनिक को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां रात 9 बजे सैनिक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। घटना के बाद होमगार्ड लाइन में माहौल गमगीन हो गया था।

देवास रोड स्थित होमगार्ड लाइन में रहने वाले 55 वर्षीय छगनलाल पिता शोभाराम बीती शाम डिविजनल कार्यालय में संत्री पहरे पर तैनात थे। अचानक उन्हें घबराहट हुई और सीने में दर्द उठा। उनकी हालत बिगड़ती देख होमगार्ड कार्यालय में तैनात सैनिकों और अधिकारियों द्वारा उन्हें सीपीआर दिया गया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां कुछ देर बाद रात 9 बजे के लगभग सैनिक छगनलाल की मौत हो गई। होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ने बताया कि छगनलाल वर्ष 1995 से अपनी सेवा दे रहे थे। परिवार में 4 बच्चे हैं। वह मूलरूप से तराना तहसील के ग्राम कनासिया के रहने वाले थे। उनके निधन से कार्यालय में माहौल गमगीन हो गया। पोस्टमार्टम के बाद उनकी अंतिम यात्रा में होमगार्ड कार्यालय के कई सैनिक और अधिकारी शामिल होने के लिए पहुंचे।

हर महीने 5 लाख खर्च, फिर भी गंदगी से बेहाल उज्जैन रेलवे स्टेशन

सफाई एजेंसी पर लापरवाही के आरोप- टेंडर की शर्तों का पालन नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर से लाखों श्रद्धालुओं और यात्रियों का स्वागत करने वाला उज्जैन रेलवे स्टेशन इन दिनों सफाई व्यवस्था को लेकर सवालों के घेरे में है। रेलवे स्टेशन की सफाई पर हर महीने करीब 5 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, रेलवे ट्रैक, वेटिंग रूम और माल गोदाम क्षेत्र में गंदगी का आलम बना हुआ है। यात्रियों को हर कदम पर अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन की सफाई व्यवस्था निजी एजेंसी के माध्यम से संचालित की जा रही है। टेंडर की शर्तों में सभी प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे सफाई, तय संख्या में सफाईकर्मियों की तैनाती और नियमित निगरानी का प्रावधान है। इसके बावजूद न तो पर्याप्त कर्मचारी मौके पर दिखाई देते हैं और न ही तय मानकों के अनुरूप सफाई हो रही है।सबसे खराब स्थिति प्लेटफॉर्म नंबर-1 और माल गोदाम क्षेत्र की बताई जा रही है। यहां लंबे समय तक कचरा और गंदगी जमा रहने से बदबू फैलती रहती है। रेलवे ट्रैक के आसपास भी कचरे का ढेर दिखाई देता है, जिससे स्टेशन की छवि धूमिल हो रही है।यात्रियों का कहना है कि स्टेशन के वेटिंग रूम और शौचालयों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। बाहर के परिसर में भी कई स्थानों पर गंदगी फैली रहती है। स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के आसपास सफाई नहीं होने से बाहर इंतजार करने वाले यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जब किसी बड़े अधिकारी के निरीक्षण की सूचना मिलती है, तभी कुछ समय के लिए सफाई अभियान चलाया जाता है। सामान्य दिनों में सफाई व्यवस्था भगवान भरोसे नजर आती है। इससे साफ है कि एजेंसी की कार्यप्रणाली की प्रभावी निगरानी नहीं हो रही। उज्जैन धार्मिक नगरी होने के कारण यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रावण, सिंहस्थ और त्योहारों के दौरान यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में रेलवे स्टेशन की स्वच्छता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि शहर की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा मुद्दा है।

रेलवे विभाग के अनुसार स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर, वेटिंग हॉल, पार्सल कार्यालय तथा अन्य क्षेत्रों की सफाई का जिम्मा एजेंसी को सौंपा गया है। एजेंसी द्वारा तीन पालियों में सफाई किए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन इसका असर जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दे रहा। यात्रियों का कहना है कि नियमित मॉनिटरिंग और जवाबदेही तय किए बिना स्टेशन को स्वच्छ रखना संभव नहीं होगा।

एक नजर में प्रमुख तथ्य

-हर महीने करीब 5 लाख रुपए सफाई पर खर्च।
-टेंडर की शर्तों के अनुरूप सफाई व्यवस्था नहीं।
-तय संख्या से कम सफाईकर्मी होने के आरोप।
-प्लेटफॉर्म नंबर-1, ट्रैक और माल गोदाम क्षेत्र सबसे ज्यादा गंदे।
-वेटिंग रूम, शौचालय और स्टेशन परिसर की हालत भी खराब।
-श्रावण सहित भीड़ के मौसम से पहले व्यवस्था सुधारने की जरूरत।

सिंहस्थ 2028 के लिए अर्जी वाले हनुमान मंदिर में रोपे गए 2000 फलदार और देव वृक्ष

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर रोड स्थित अर्जी वाले हनुमान मंदिर में रविवार को वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया। आगामी सिंहस्थ 2028 में देश भर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में 2000 फलदार और देव वृक्षों का रोपण हुआ। यह आयोजन निरंजनी अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ।

इस महाभियान का मुख्य उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को ताजे फल और प्राकृतिक छाया उपलब्ध कराना है। रोपे गए पौधों में मुख्य रूप से आम, जामुन, चीकू, आंवला, पीपल और रुद्राक्ष शामिल हैं। पर्यावरण संरक्षण और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पिछले वर्ष भी मंदिर परिसर में एक हजार फलदार पौधे लगाए गए थे, जो अब पेड़ का रूप लेकर फल देने लगे हैं। दर्शनार्थी इन फलों का रसस्वादन कर रहे हैं। रविवार को लगाए गए नए पौधे भी आगामी सिंहस्थ तक पूरी तरह फल देने के लिए तैयार हो जाएंगे।

लिखित अर्जी से पूरी होती है मनोकामना- अर्जी वाले हनुमान मंदिर की श्रद्धालुओं में गहरी आस्था है। यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु अपनी लिखित अर्जी लेकर पहुंचते हैं और भगवान के समक्ष अपनी मनोकामनाएं रखते हैं। मान्यता है कि यहां लगाई गई अर्जी जरूर पूरी होती है और मुराद पूरी होने पर श्रद्धालु यहां भंडारे सहित अन्य धार्मिक आयोजन करते हैं।

इनकी रही विशेष उपस्थिति और सहयोग- पौधरोपण कार्यक्रम में महामंडलेश्वर गुरु मां आनंदमयी पुरी, प्रणेश शुक्ला, पवार जी, निलेश पांचाल, टीना झाला, पंकज जायसवाल, रोहन पंडित, प्रिया पांडे, नैना मेवाड़ा, जितेन्द्र त्रिपाठी, भावना बैरागी, नंदनी बैरागी, महेंद्र चौधरी, दिशा बजाज, मोहन आंजना और भाविका सोनी उपस्थित रहे।

आयोजन में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग रहा। इनमें वसुंधरा हरियाली महोत्सव समिति उज्जैन के केके पंवार, अजय शर्मा, रवि लंगर, गौरव मालपानी, ईश्वर चंद गुप्ता और डॉ. केतन सिल्वाडिया शामिल हुए।

73 करोड़ से बदल रही दो सरकारी स्कूलों की तस्वीर

अगले शैक्षणिक सत्र में मिलेंगी निजी स्कूल जैसी सुविधाएं- जीवाजीगंज स्कूल भवन का 65% और जालसेवा स्कूल का 35% निर्माण पूरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सरकारी शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाई देने के लिए लगभग 73 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे दो सीएम राइज स्कूलों का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। जीवाजीगंज और जालसेवा स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस शिक्षा परिसरों के रूप में विकसित किया जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद हजारों विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास, आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल लाइब्रेरी, खेल सुविधाएं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण एक ही परिसर में मिलेगा।

जीवाजीगंज सीएम राइज स्कूल का निर्माण कार्य करीब 65 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस परियोजना पर लगभग 26.35 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। अब तक करीब 7.91 करोड़ रुपए की राशि व्यय की जा चुकी है। निर्माण एजेंसी का लक्ष्य सितंबर तक भवन का अधिकांश कार्य पूरा करने का है, ताकि अगले शैक्षणिक सत्र की तैयारियां समय पर पूरी हो सकें। इस स्कूल में भविष्य में करीब पांच हजार विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा मिल सकेगी। वहीं जालसेवा सीएम राइज स्कूल का निर्माण कार्य 35 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस भवन का निर्माण भी आधुनिक स्कूलों के मानकों के अनुरूप किया जा रहा है। इस परियोजना पर अब तक लगभग आठ करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार फरवरी 2027 तक इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

दोनों स्कूलों का निर्माण पुलिस हाउसिंग एवं इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य तय समय-सीमा के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि अप्रैल 2027 से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को नए भवनों में पढ़ाई का अवसर मिल सके।

योजना एक नजर मे

कुल परियोजना लागत- लगभग 73 करोड़ रुपए
जीवाजीगंज स्कूल- 65% निर्माण पूरा
जालसेवा स्कूल- 35% निर्माण पूरा
नया शैक्षणिक सत्र- अप्रैल 2027 से शुरू करने का लक्ष्य
सुविधाएं- स्मार्ट क्लास, लैब, लाइब्रेरी, खेल मैदान व आधुनिक शिक्षण संसाधन
लाभ- हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा का बेहतर वातावरण मिलेगा।

रोटरी क्लब ने पौधारोपण कर किया नए रोटरी वर्ष 2026-27 का आगाज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब उज्जैन ने रविवार 5 जुलाई को बड़नगर रोड स्थित अर्जी वाले हनुमान मंदिर पर वसुंधरा हरियाली संस्था के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इसी के साथ क्लब के नए रोटरी वर्ष 2026-27 की शुरुआत की गई। इस दौरान मंदिर परिसर में आम, जामुन एवं रुद्राक्ष के पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम में आश्रम के महामंडलेश्वर श्री प्रेमानंद पुरी स्वामी महाराज और महामंडलेश्वर आनंदी जी का सान्निध्य मिला। सभी उपस्थित सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण और भविष्य में भी निरंतर पौधारोपण करने का संकल्प लिया। आयोजन में रोटेरियन केके पवार एवं अजय शर्मा की सक्रिय सहभागिता रही।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ. केतन सिलवरिया, सचिव सुरेश शर्मा, तत्कालीन अध्यक्ष व उज्जैन श्री परशुराम कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ईश्वर चंद्र दुबे, पूर्व मंडलाध्यक्ष रवि लंगर, पूर्व सचिव उरूसा हाशमी, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र चतुर्वेदी और पंडित योगेश शुक्ला उपस्थित थे।

इनके अलावा रोटेरियन मुकेश जौहरी, धीरिश पारिख, शाहिद हाशमी, डॉ. अनूप निगम, डॉ. विमल गर्ग, हरिहर शर्मा, जाग्रति शर्मा, स्वाति तैलंग सहित वसुंधरा हरियाली और पर्यावरण प्रेमी संस्था के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

40 लाख की धोखाधड़ी में शामिल पिता पुत्र का साथी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ईट का सौदाकर 40 लाख की धोखाधड़ी के मामले में 9 साल बाद ईट कंपनी के अकाउंटेंट को अहमदाबाद से गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया है। रिमांड पर पूछताछ के बाद उसे शनिवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। धोखाधड़ी में शामिल कंपनी के संचालक पिता-पुत्र अब भी फरार है।

माधवनगर थाना पुलिस ने पिछले वर्ष 25 सितंबर को दमदमा स्थित वीएससी कंपनी के संचालक मुकेश कुमार व्यास की शिकायत पर अहमदाबाद की वीके ब्रिक्स कंपनी के संचालक पिता-पुत्र यशवंत प्रजापत और मेहूल प्रजापत के साथ कंपनी के अकाउंटेंट हिमांशु गौर के खिलाफ 40 लाख की धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया था। मुकेश कुमार व्यास ने शिकायत में बताया था कि वह मूलरूप से गुजरात अहमदाबाद का रहने वाला है। वर्तमान में उज्जैन से अपनी कंपनी संचालित कर रहा है। वर्ष 2017 में उसने अपनी कंपनी के लिये 5 लाख ईट का सौंदा (8 रूपये प्रतिनग) अहमदाबाद की वीके ब्रिक्स कंपनी के संचालक यशवंत प्रजापत और उसके पुत्र मेहूल प्रजापत से किया था। 40 लाख रूपये भी दिये थे। पिता-पुत्र ने अकाउटेंट हिमांशु के माध्यम से ईट भेजने की बात कहीं थी। हिमांशु ने फर्जी बिल बनाकर भेजे थे, लेकिन ईट नहीं मिल पाई। कई बार संपर्क करने के बाद भी पिता-पुत्र और अकाउटेंट सही जवाब नहीं दे रहे है। उन्होने 40 लाख की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी और 8 साल बाद मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया था। लेकिन वीके ब्रिक्स कंपनी के तीनों आरोपी लगातार फरार होना सामने आ रहे है। कुछ दिन पहले खबर मिलने पर माधवनगर थाना सहायक उपनिरीक्षक एमएस अलावा की टीम को अहमदाबाद रवाना किया गया। जहां से अकाउंटेंट हिमांशु को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। जिसे पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया, इस दौरान सामने आया कि कंपनी संचालक यशवंत प्रजापत और मेहूल प्रजापत ने फर्जी बिल बनाने के लिये कहा था, उसने बिल तैयार कर भेजे थे। उससे फरार पिता-पुत्र की जानकारी ली गई और दोबारा टीम उनकी तलाश में अहमदाबाद पहुंची, लेकिन दोनों फरार होना सामने आये। शनिवार को अकाउटेंट हिमांशु को रिमांड खत्म होने पर कोर्ट पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

आरटीई प्रवेश का तीसरा चरण शुरू, 8 जुलाई तक फिर मिलेगा स्कूल चुनने का मौका- जिले के निजी स्कूलों में अब भी 588 सीटें खाली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले में अभी भी 588 सीटें खाली हैं, जिन्हें भरने के लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने दोबारा ऑनलाइन चॉइस फिलिंग शुरू की है। अभिभावक 8 जुलाई तक अपनी पसंद के स्कूलों का चयन कर सकेंगे।

पहले और दूसरे चरण में जिले के निजी स्कूलों में 4648 सीटें आवंटित की गई थीं। इनमें से 4060 बच्चों ने प्रवेश ले लिया, जबकि 588 सीटें अब भी खाली हैं।

पहले चरण में 4219 बच्चों को सीट मिली थी, लेकिन 3884 बच्चों ने ही प्रवेश लिया। दूसरे चरण में 429 सीटों का आवंटन हुआ, जिसमें 176 बच्चों ने प्रवेश लिया। तीसरे चरण में उन अभिभावकों को फिर से मौका दिया गया है, जिनके बच्चों को पहले और दूसरे चरण में सीट आवंटित नहीं हुई थी। 10 जुलाई को लॉटरी के माध्यम से सीटों का आवंटन होगा और चयनित बच्चों को 20 जुलाई तक संबंधित स्कूल में प्रवेश लेना होगा। शिक्षा विभाग के अनुसार जिले में आरटीई के तहत कुल 4648 सीटें उपलब्ध हैं। उज्जैन शहर के निजी स्कूलों में सबसे अधिक 170 सीटें अभी भी खाली हैं। अधिकारियों का मानना है कि कई अभिभावक शहर के बड़े और प्रतिष्ठित निजी स्कूलों को प्राथमिकता देते हैं, जबकि अन्य स्कूलों में प्रवेश लेने में रुचि कम दिखाई दे रही है।

एक नजर में आंकड़ों की स्थिति

कुल प्राप्त आवेदन - 9939
सत्यापित (वेरिफाइड) आवेदन - 8489
आरटीई के तहत कुल सीटें - 4648
अब तक प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी - 4060
वर्तमान में खाली सीटें - 588
चॉइस फिलिंग की अंतिम तिथि - 8 जुलाई
लॉटरी - 10 जुलाई
प्रवेश की अंतिम तिथि - 20 जुलाई

अतिक्रमण, सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग और जर्जर क्रेन से बिगड़ते हालात- अमले की कमी के बीच मजिस्ट्रेट मोबाइल योजना भी अब तक शुरू नही

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था लगातार चरमराती जा रही है। प्रमुख चौराहों से लेकर बाजारों और मुख्य मार्गों तक हर दिन जाम की समस्या आम हो चुकी है। सुबह-शाम की व्यस्त अवधि में हालात इतने खराब हो जाते हैं कि कई बार लोग एक से डेढ़ घंटे तक जाम में फंसे रहते हैं। इसके बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जिम्मेदार यातायात पुलिस खुद ही संसाधनों और अमले की कमी से जूझ रही है।

उल्लेखनीय है कि शहर में सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण, दुकानों के बाहर फैला सामान और सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई बाजारों और प्रमुख मार्गों पर सड़क का बड़ा हिस्सा अतिक्रमण और पार्किंग की भेंट चढ़ जाता है, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित होती है। पुलिस कार्रवाई करना चाहती है, लेकिन उसके पास पर्याप्त संसाधन नहीं होने से अभियान प्रभावी नहीं बन पा रहे हैं।

जर्जर क्रेन से कैसे हो प्रभावी कार्रवाई- यातायात पुलिस के पास जब्ती कार्रवाई के लिए जो क्रेन उपलब्ध है, वह वर्षों पुरानी और जर्जर हालत में है। नई क्रेन खरीदने की प्रक्रिया लंबे समय से लंबित है। ऐसे में नो-पार्किंग में खड़े वाहनों या सड़क पर रखे सामान को हटाने की कार्रवाई कई बार अधूरी रह जाती है। अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक संसाधनों के अभाव में अभियान की गति प्रभावित होती है।

घोषणा हुई, लेकिन शुरू नहीं हुई मजिस्ट्रेट मोबाइल- कुछ माह पहले प्रशासन ने ट्रैफिक उल्लंघन और अतिक्रमण पर मौके पर ही सख्त कार्रवाई के लिए मजिस्ट्रेट मोबाइल शुरू करने की घोषणा की थी। इससे पुलिस और प्रशासन संयुक्त रूप से तत्काल कार्रवाई कर सकते थे, लेकिन अब तक यह व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी। इससे लोगों में भी निराशा है।

महाकाल मार्ग से लेकर फ्रीगंज तक रोज जाम- महाकाल मंदिर क्षेत्र, देवास रोड, फ्रीगंज, प्रमुख बाजारों और शहर के अन्य व्यस्त मार्गों पर प्रतिदिन जाम की स्थिति बनी रहती है। श्रद्धालु, व्यापारी, छात्र और नौकरीपेशा लोग रोजाना इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। कई बार एम्बुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं?। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि केवल चालान काटने से व्यवस्था नहीं सुधरेगी। अतिक्रमण हटाने, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर लगातार कार्रवाई करने, पर्याप्त ट्रैफिक स्टाफ की तैनाती और आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता के बिना शहर को जाम से राहत मिलना मुश्किल है।

व्यवस्था और कमियां एक नजर में

ट्रैफिक पुलिस के पास पर्याप्त अमले का अभाव।
जब्ती कार्रवाई के लिए पुरानी और जर्जर क्रेन।
दुकानों के बाहर अतिक्रमण और सड़क पर फैला सामान।
सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग से रोजाना जाम।
मजिस्ट्रेट मोबाइल योजना अब तक शुरू नहीं।
ट्रैफिक सुधार के नाम पर अधिकतर चालानी कार्रवाई, स्थायी समाधान नहीं।